BATTERY ZONE
Deals in : All Types of Battery and Invertor
Mob. 9109013555
TATA green BATTERIES
MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE
Opp. Majar, G.E. Road, Shastri Nagar, Bhilai (C.G.)

सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

वर्ष- 14 अंक - 133 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 25 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

संपादकीय

पंजाब के डरावने संकेत

पंजाब में जिस तरह से माहौल तनावपूर्ण हुआ है, वह गहरी चिंता और सजगता का विषय है। भीड़ ने सीधे पुलिस को निशाना बना दिया और दबाव इतना बढ़ा कि पुलिस भीड़ की मांग मानने के लिए मजबूर हो गई। कट्टरपंथी नेता अमृतपाल सिंह के करीबी सहयोगी लवप्रीत तूफान को पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इतना ही नहीं, उसे रिहा करते हुए पुलिस ने यह भी कहा कि वह दोषी नहीं है। हालांकि, सबने देखा है कि यह रिहाई तब हुई, जब अमृतपाल के हजारों समर्थकों ने अमृतसर में एक पुलिस थाने पर हमला बोल दिया और सीधे कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की धमकी दे दी। ध्यान रहे, तूफान को अपहरण और मारपीट के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था, अब पता नहीं, उसके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई हो पाएगी या नहीं। क्या पंजाब में कानून-व्यवस्था पर सवाल नहीं उठा है? क्या जिस तरह से संविधान की पालना होनी चाहिए थी, वह हुई है? यदि लवप्रीत तूफान दोषी नहीं है और उसे पुलिस ने गलत ढंग से गिरफ्तार किया था, तब भी यह पंजाब पुलिस के कामकाज पर गंभीर आक्षेप है। वैसे यह पहला मामला नहीं है, जब धर्म की आड़ में की गई मनमानी के सामने समर्पण किया गया है। चूंकि इस देश में ऐसे धार्मिक प्रदर्शनों को होने दिया जाता है, इसलिए ऐसे प्रदर्शन कानून-व्यवस्था को धता बताने के लिए यहां-वहां सामने आते रहते हैं। क्या अमेरिका, कनाडा या यूके जैसे किसी अन्य देश में पुलिस के खिलाफ ऐसे हिंसक प्रदर्शन को कोई भी सत्ता मंजूर कर लेती? भारतीय व्यवस्था की उदारता के साथ ऐसे खिलवाड़ के लिए बेशक इस देश की राजनीति ही दोषी है। धर्मध्वजा थामकर उदारता का कैसा मखौल 2021 में 26 जनवरी- गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में उड़ाया गया था, बहुतों को याद होगा। क्या ऐसे बेलगाम प्रदर्शनों को यह देश बर्दाश्त कर सकता है और इससे आखिर देश को क्या फायदा होता है? भारतीय लोकतंत्र के उदार साये में बनने वाले किसी भी संगठन को देश की एकता को सबसे ऊपर रखना चाहिए। ये भला कैसे संगठन हैं, जो कानून-सम्मत संघर्ष के बजाय हिंसा से न्याय छीनने या मनमानी करने को लालायित हैं? आज जिन देशों में सुरक्षित बैठकर कुछ लोग खालिस्तानी अलगाववाद को हवा दे रहे हैं, उन देशों के प्रति भारत को गंभीर हो जाना चाहिए। सिखी की जड़ें इस देश की गली-गली में पसरी हुई हैं, कोई उसे फिर सिर्फ भारतीय पंजाब की भौगोलिक सीमाओं में समेटकर कैसे देख सकता है? समग्र भारतीय मानस में पूरी सहजता के साथ विराज रहे सिख विचार, संस्कार व संस्कृति के अथाह विस्तार को संकीर्णता में समेटने की कोई भी गलती न केवल पंजाब, बल्कि भारत की संपूर्ण पहचान के लिए खतरा है। पंजाब में सबसे ज्यादा सावधान वहां की राजनीति को रहना चाहिए। सबको इतिहास उठाकर देख लेना चाहिए, जब आतंकवाद था, तब सबसे भारी कीमत राजनीति ने ही चुकाई थी। धर्म की आंच पर वोटों की रोटियां सेंकना सबसे आसान है, लेकिन ध्यान रहे, ऐसी आंच जब आग में बदलती है, तब बहुत कुछ खाक होने लगता है। सुरक्षा एजेंसियों को सावधान हो जाना चाहिए। कोई उग्र युवा नेता अगर यह कह रहा है कि पुलिस ने बात नहीं मानी, इसलिए हिंसा हुई, तो आगे क्या आशंकाएं हैं, अनुमान लगा लेने में ही लाभ है। इस देश में किसी भी आस्था आधारित संकीर्ण खेमे को इतना मजबूत नहीं बनने देना चाहिए कि वह अदालत लगाकर फैसले सुनाने लगे।

> “ भारतीय लोकतंत्र के उदार साये में बनने वाले किसी भी संगठन को देश की एकता को सबसे ऊपर रखना चाहिए। ये भला कैसे संगठन हैं, जो कानून-सम्मत संघर्ष के बजाय हिंसा से न्याय छीनने या मनमानी करने को लालायित हैं? आज जिन देशों में सुरक्षित बैठकर कुछ लोग खालिस्तानी अलगाववाद को हवा दे रहे हैं, उन देशों के प्रति भारत को गंभीर हो जाना चाहिए।

जहरीले रिश्तों से बचें

अक्सर लोग मुझसे सवाल करते हैं कि हम अपनी जिंदगी के जहरीले, खराब रिश्तों की पहचान कैसे करें? वे यह भी पूछते हैं कि अगर कोई 'नॉन रिएक्टिव' तरीके से जीने में सक्षम है, तो उसके जीवन में खराब रिश्तों की गुंजाइश ही कहां है?

दरअसल, किसी भी रिश्ते में दूसरे व्यक्ति के व्यवहार को समझने के लिए अपनी चेतना पर जोर देनी पड़ती है। दूसरों के प्रति अपने व्यवहार की जिम्मेदारी लेना आध्यात्मिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। आयुर्वेद का ज्ञान यहां शिक्षाप्रद है। आयुर्वेद कहता है कि हमारे आहार का सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि हम अपने भोजन को कितनी अच्छी तरह पचा पाते हैं। अगर हम जो खाते हैं, उसे तोड़ नहीं सकते, आत्मसात नहीं कर सकते और 'मेटाबोलाइज' नहीं कर सकते, तो शुद्ध भोजन भी हमारी मदद नहीं करेगा। और यदि हमारा पाचन मजबूत है, तो उत्तम भोजन का अधिकतम लाभ के लिए उपयोग किया जा सकता है। आयुर्वेद कहता है, यही सिद्धांत हमारे भावनात्मक सेवन पर लागू होता है। जब हमारी भावनात्मक बुद्धि मजबूत होती है और वह आत्म-जागरूकता में दृढ़ता से स्थापित होती है, तो हम भावनात्मक संबंधों को मेटाबोलाइज कर सकते हैं, अन्यथा हम क्रोध, दोष, अपराध-बोध, ईर्ष्या, भय व निराशा जैसी जहरीली भावनात्मक प्रतिक्रियाएं देते हैं। आयुर्वेद यह भी मानता है कि जिस तरह कुछ खाद्य पदार्थ जहरीले होते हैं, तो पोषण के लिए उन्हें पचाने की कोशिश करने का कोई मतलब नहीं होता, इसी तरह, उन भावनात्मक स्थितियों व अपमानजनक रिश्तों से बचना चाहिए, जिनके बारे में यह स्पष्ट हो कि इससे कुछ भी उपयोगी या स्वस्थ नहीं हो सकता है।

दीपक चोपड़ा

महासमिति का अधिवेशन

कांग्रेस महासमिति का दो दिन का अधिवेशन समाप्त हो गया। राष्ट्रपिता गांधीजी के आकस्मिक और दुखपूर्ण निधन से उत्पन्न गम्भीर स्थिति पर विचार करने लिए यह अधिवेशन बुलाया गया था। महासमिति को सामान्यत देश की सर्वसाधारण जनता का और विशेष रूप से कांग्रेसजनों का पथ-प्रदर्शन करना था कि उन्हें इस संकटपूर्ण परिस्थिति में क्या करना चाहिए और क्या न करना चाहिए। महासमिति ने पहले प्रस्ताव द्वारा राष्ट्रपिता के निधन पर शोक और शर्म का इजहार किया। निश्चय ही इस देश में रहने वालों के लिए और खासकर सारी हिन्दू जाति के लिए इससे बड़ी लज्जा की बात दूसरी नहीं हो सकती कि जिस महापुरुष ने इस देश को गुलामी के बन्धनों से मुक्त किया और जीवन की सच्ची राह बताई, उसी को उसमें से किसी एक आदमी ने मार डाला। इस प्रकार हमारे नाम पर जो धब्बा, जो कलंक लगा है, वह कभी नहीं मिट सकता। उसको कम करने का अगर कोई उपाय हो सकता है तो यही कि जो रास्ता गांधीजी हमें बता गये हैं, उस पर हम भविष्य में मजबूती के साथ चलने का निश्चय करें। यह निश्चय करने के लिए ही मुख्यत महासमिति का यह अधिवेशन बुलाया गया था! पिछले वर्षों में शायद ही महासमिति का कोई अधिवेशन ऐसा हुआ होगा, जिसमें गांधीजी उपस्थित न रह पाये होंगे अथवा जिसके निर्णयों में उनका पथ-प्रदर्शन न रहा होगा। यह पहला अधिवेशन था, जबकि महासमिति को उनके अभाव में स्वयं निर्णय करने पड़े। निश्चय ही उसका दायित्व बहुत बढ़ गया था। महासमिति ने अपना यह दृढ़ संकल्प प्रकट किया है कि कांग्रेस उस रास्ते पर बराबर चलती रहेगी, जो गांधीजी ने दिखाया है और साम्प्रदायिक शान्ति स्थापित करने का जो काम वह अधूरा छोड़ गये हैं, उसे पूरा करने की भरसक कोशिश की जायेगी। यह निश्चय ही सर्वथा उपयुक्त है और प्रत्येक कांग्रेसजन का यह परम कर्तव्य होना चाहिए कि वह इसे पूरी ईमानदारी के साथ कार्यान्वित करे।

> “ एक तरफ लड़कियों के निर्णय लेने की क्षमता अच्छी लगती है, तो दूसरी तरफ उनके माता-पिता और परिवार वालों की परेशानियां सुनकर अफ़सोस भी होता है। ऐसी बहुत-सी खबरें भी याद आने लगीं जो आजकल अक्सर दिखाई देती हैं। जैसे कि बारात समय पर नहीं आई तो लड़की ने शादी तोड़ दी।

ज़िद-दिखावे के बीच मां-बाप की कसक

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों अपने एक परिचित से बातें हो रही थीं। गांव में रहते हैं। वह अपनी बहन की लड़की की शादी के बारे में बताने लगे। बहन का परिवार गांव में रहता है। बोले कि वहां सारे नाते-रिश्तेदार इकट्ठे हुए थे। शादी की तैयारियां पूरी थीं। बहन ने यह भी बताया था कि अब तक बीस लाख खर्च हो चुके हैं। और अभी तो शादी के बाद हर त्योहार के लेन-देन का खर्च बचा हुआ है। खूब गाना-बजाना, सजावट, संगीत, हल्दी, मेहंदी सब हो रहा था। धूमधाम से बारात भी आ गई। जब लड़की जयमाल डालने आई तो उसे लगा कि दूल्हे ने शराब पी रखी है क्योंकि उसके पैर कुछ लड़खड़ाए थे। यही नहीं, उसके दोस्त लोग मंच पर ही हुल्लड़ कर रहे थे। बस लड़की नाराज हो गई। जयमाल बिना डाले ही वह मंच छोड़कर चली गई और उसने शादी से इनकार कर दिया। बहुत समझाने पर भी नहीं मानी। दूल्हे और उसके परिवार वालों ने कहा भी कि उसने कोई शराब नहीं पी थी, लेकिन लड़की ने किसी की बात नहीं सुनी। उसने शादी से इनकार कर दिया। लड़के-लड़की वालों में कहासुनी भी हुई। पुलिस भी आ गई, लेकिन किसी के समझाने से भी बात नहीं बनी।

अंततः बिन दुल्हन के बारात लौट गई। नाते, रिश्तेदार भी अपने-अपने घर चले गए। गीत-संगीत, बैंडबाजे, नगाड़े, डीजे सबका शोर थम गया था। लेकिन लड़की के माता-पिता के दु:ख और चिंता का अंत नहीं था। खाने के लिए बनाए गए तरह-तरह के पकवान यों ही पड़े थे। सजावट मुंह चिढ़ा रही थी। अब लड़की के माता-पिता को फिर से वही कवायदें दोबारा करनी पड़ेंगी। लड़का देखना, पसंद, नापसंद। शादी की तैयारियां, फिर से निमंत्रण पत्र छपवाना, बैंक्वेट हॉल बुक कराना। नाते-रिश्तेदारों की आवभगत, लेन-देन। इनके लिए दोबारा पैसा कहां से आएगा। पहली बार शादी की तैयारी में जो बीस लाख खर्च हुआ, वह तो पानी में गया ही। परिचित की बातें सुनकर लगा कि अरे इन बातों पर तो ध्यान कभी गया ही नहीं।

एक तरफ लड़कियों के निर्णय लेने की क्षमता अच्छी लगती है, तो दूसरी तरफ उनके माता-पिता और परिवार वालों की परेशानियां सुनकर अफसोस भी होता है। ऐसी बहुत-सी खबरें भी याद आने लगीं जो आजकल अक्सर दिखाई देती हैं। जैसे कि बारात समय पर नहीं आई तो लड़की ने शादी तोड़ दी। लड़का फेरों के वक्त ठीक से बैठ नहीं सका या वह काला था तो लड़की नाराज हो गई। या कि लड़का लड़की से कम पढ़ा-लिखा था, पहाड़ा ठीक से नहीं सुना सका, या नोट ठीक से नहीं गिन सका तो काम से गया। अथवा बारात में दूल्हा इतनी देर तक नाचा कि नाराज लड़की ने किसी और के गले में माला डाल दी। दूल्हे के दांत खराब थे, या कि वरमाला के वक्त वह कम झुका तो भी शादी टूट गई। ऐसी बेशुमार घटनाएं आए दिन प्रकाश में आती हैं जहां बहुत ही मामूली बातों पर लड़कियां शादी तोड़ रही हैं। इन्हें पढ़-सुनकर आश्चर्य भी होता है।

बचपन की ऐसी बहुत-सी घटनाएं भी याद आती हैं, जहां किसी मामूली बात पर लड़के वाले बारात लौटा ले जाते थे। पहले लड़के और उनके परिवार वाले किसी की नहीं सुनते थे, अब लड़कियां किसी की नहीं सुन रही हैं। पहले जिस लड़की की बारात लौट जाती थी, उसे समाज के तमाम तरह के ताने सुनने पड़ते थे जबकि लड़की का कोई कसूर नहीं होता था। अब स्थिति बदल गई है। देखने की बात यह है कि क्या लड़कियों को अपने परिवार वालों की आर्थिक दिक्कतों का पता नहीं होता। लड़कियों की शादी के लिए कितनों के मकान-दुकान-खेत बिकते हैं, गिरवी रखने पड़ते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं। भारी-भरकम कर्ज लेना पड़ता है। यह सब लड़कियों के सामने ही होता है, फिर वे इस बात का ख्याल क्यों नहीं रखती हैं।

जहां तक इस बात का सवाल है कि लड़की ने लड़के के काला होने, अथवा अनपढ़ होने के कारण विवाह करने से इनकार कर दिया तो इससे यह भी पता चलता है कि लड़के को लड़की ने पहले नहीं देखा, दोनों की मेल-मुलाकात नहीं हुई। यदि ऐसा हुआ होता तो शायद शादी न टूटती, बारात न लौटती।

इसके अलावा शादी में होने वाले खर्चे भी इन दिनों बेशुमार बढ़े हैं। माता-पिता ही नहीं, लड़के और लड़कियां भी यही चाहते हैं कि उनकी शादी देखने-दिखाने लायक हो। ऐसी हो कि हमेशा सबको याद रहे। खाने की चीजें इतनी तरह की हों कि खायी न जा सकें। सचमुच कई बार शादियों में इतने तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं कि पेट भरकर खाना तो दूर यदि आधी-आधी चम्मच भी खाएं तो भी न खा सकें। यह एक तरीके से खाने के सामान को बिगाड़ना और भोजन को नष्ट करना है। यों कहा ये जाता है कि अन्न को बिगाड़ना अन्न का अपमान है। साथ ही हम यह भी जानते हैं कि यह सिर्फ हमारे मन का भ्रम ही है कि जरूरत से ज्यादा दिखावा करने से कोई देखने वालों को खुश कर सकता है। बल्कि होता तो यह है कि जितना अधिक दिखावा, उतनी ही अधिक आलोचना ।

रही-सही कसर सेलिब्रिटी शादियों को रात-दिन गाने बजाने से भी पूरी हो जाती है। सिर्फ रईसों में ही नहीं, मध्यम वर्ग में भी इन सेलिब्रिटीज के विवाहों को देखकर ऐसे ही विवाह करने का चलन हो चला है। कियारा ने कैसे कपड़े पहने, सिद्धार्थ ने क्या पहना, कौन से भोजन परोसे गए, डेस्टीनेशन वेडिंग कहां पर किया गया, किस डिजाइनर ने कपड़े बनाए, किसने जेवर, किन फूलों से सजावट की गई थी, कहां से मंगाए गए थे, किन शैफों ने खाना पकाया था, आदि बातों को देखकर युवा भी ऐसा ही करना चाहते हैं। वे माता-पिता पर भी इसका दबाव बनाते हैं। इनमें से हर एक अपने को सपनों का राजकुमार या सपनों की राजकुमारी समझता है। ड्रीम मैन और ड्रीम वुमैन की तलाश में रहता है। ऐसे में बेचारे माता-पिता की मुश्किलों के बारे में कौन सोचे और क्यों सोचे। जन्म दिया है तो इच्छाएं भी पूरी करनी ही पड़ेंगी, चाहे कर्ज लेकर करें।

एक तरफ विवाह के बेशुमार खर्चे हैं जिनके बारे में व्यवसाय करने वाले गौरवपूर्वक कहते हैं कि इस देश में विवाह का बाजार अरबों रुपए का है। जाहिर है ये अरबों रुपए माता-पिता की जेब से ही वसूले जाते हैं। दूसरी तरफ दहेज की सुरसा भी लगातार बढ़ रही है। रही-सही कसर ब्रांड के शोर ने पूरी कर दी है। अब कपड़ों, जेवर से लेकर हर चीज ब्रांड वाली चाहिए। ऐसे में कल्पना ही की जा सकती है कि शादी पर कितना खर्च होता है और माता-पिता पर कितना बोझ पड़ता है। यदि शादी की सभी तैयारियां पूरी हो गई हों और ऐसे में शादी न हो, बारात लौट जाए, तो सोचें कि माता-पिता के सिर पर कितना भारी बोझ पड़ता है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सिर्फ मेला नहीं, भाषाओं और शब्दों का आनंदोत्सव

पंकज चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार

कोरोना की त्रासदी के चलते आखिर तीन साल बाद यह अवसर आया है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में बहुत से मेले लगते हैं, लेकिन नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला का अपना आनंद है। यह मेला नहीं, पुस्तकों के साथ जीने, उसे महसूस करने का उत्सव है। सही मायने में यह देश की विविधतापूर्ण भाषायी एकता की प्रदर्शनी है। इस बार का 30वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 25 फरवरी से शुरू होकर 5 मार्च तक है। इस बार का थीम है- आजादी का अमृत महोत्सव और अतिथि देश है- फ्रांस। सन् 1972 में दिल्ली के विंडसर प्लेस से शुरू हुए इस मेले को इस बार 50 साल भी हो रहे हैं।

बीते तीन दशकों से, जब से सूचना प्रौद्योगिकी का प्रादुर्भाव हुआ है, मुद्रण तकनीक से जुड़े लोग इसी भय में जीते रहे हैं कि कहीं कंप्यूटर, टीवी, सीडी की दुनिया छपे हुए अक्षरों को अपनी बहुरंगी चकाचौंध में उदरस्थ न कर ले। जैसे-जैसे चिंताएं बढ़ीं, पुस्तकों का बाजार भी बढ़ता गया। उसे बढ़ना ही था- आखिर साक्षरता दर बढ़ रही है, ज्ञान पर आधारित जीविकोपार्जन करने वालों की संख्या बढ़ रही है। विदित हो, लोकतंत्र आपको सवाल करना और उत्तर के विकल्प देता है, ठीक वैसे ही पुस्तकें इंसान को विकल्प देती हैं वैचारिक और मानसिक दुविधाओं के प्रश्नों का। भारत में पुस्तक व्यवसाय की सालाना प्रगति 20 फीसदी से ज्यादा है। इससे लाखों लोगों को सीधे रोजगार मिला है।

बेशक, यह कहने वाले प्रकाशक भी कम नहीं हैं, जो इसे घाटे का सौदा कहते हैं, लेकिन जब प्रगति मैदान के पुस्तक मेला में छुट्टी के दिन किसी हॉल में घुसो, और वहां की गहमागहमी के बीच आधी बांह का स्वेटर भी उतार फेंकने का मन हो, तो जाहिर हो जाता है कि लोग अब भी पुस्तकों के पीछे कितने दीवाने हैं। असल में, विश्व पुस्तक मेला सिर्फ किताब खरीदने-बेचने की जगह नहीं है, यह पुस्तक प्रेमियों की जरूरत को एक स्थान पर पूरा करने का महज बाजार भी नहीं है। केवल किताब खरीदने के लिए तो दर्जनों वेबसाइट उपलब्ध हैं, जो घर बैठे किताबें पहुंचा देती हैं। दरअसल, पुस्तक भी इंसानी प्यार की तरह होती है, जिससे जब तक बात न करो, रूबरू न हो, स्पर्श न करो, अपनत्व का एहसास देती नहीं है। फिर, तुलनात्मकता के लिए एक ही स्थान पर एक साथ इतने सजीव उत्पाद मिलना एक बेहतर मार्केटिंग विकल्प व मनोवृत्ति भी है। लिहाजा, दिल्ली पुस्तक मेला एक त्योहार है, पाठकों, लेखकों, व्यापारियों, बच्चों का। हर दिन कई सौ पुस्तकों का लोकार्पण, बीस-पच्चीस गोष्ठी-विमर्श, दस-पंद्रह लेखकों से बातचीत के सत्र और बच्चों की गतिविधियां। इतना ही नहीं, विशेष अतिथि देश से आए लेखकों, चित्रकारों, प्रकाशकों से मिलना। ढेर सारे विचार, मतांतर एक ही छत के नीचे, पर सभी का एक ही लक्ष्य- ज्ञान को विस्तार मिले।

दिन चढ़ते ही प्रगति मैदान के लंबे-चौड़े लॉन में लोगों के टिफिन खुल जाते हैं, खाने के स्टॉल खचाखच भरे होते हैं, लोग कंधे छीलती भीड़ में उचक-उचककर लेखकों को पहचानने का प्रयास करते हैं। इसी बीच कुछ मंत्री, कुछ वीआईपी, कुछ फिल्मी सितारे भी आ जाएं, तो भीड़ उनकी ओर निहारने लगती है। कहीं कविता पाठ चलता है, तो कहीं पर व्यंग्य व कहानी पेश करने का आयोजन। अंधेरा होते ही गीत-संगीत की महफिल सज जाती है। इस मेले की खासियत यह भी है कि दूर-दराज से आए और नए लेखक अपनी पांडुलिपियां लेकर प्रकाशकों को तलाशते दिखते हैं, तो कुछ अपनी पुस्तकों को मित्रों को बांटकर सुख पाते हैं।

यहां खेमेबाजी, वैचारिक मतभेद के बीच 50 से ज्यादा भाषाओं की पुस्तकें, हजारों लेखक व प्रकाशक लाखों पाठकों को नौ दिन बांधे रखते हैं। विदेशी मंडप में भले ही अधिकांश पुस्तकें केवल प्रदर्शन के लिए होती हैं, लेकिन गंभीर किस्म के लेखक इनसे आइडिया का सुराख लगाते दिखते हैं। थीम पवेलियन हर समय आम लोगों के आकर्षण का केंद्र रहता है। बच्चों की नैसर्गिक रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए बाल मंडप एक महत्वपूर्ण आकर्षण होता है। जाहिर है, पुस्तक मेला में दिल व दिमाग, दोनों पुस्तक के साथ धड़कते-मचलते हैं, तभी तो यह मेला नहीं है, आनंदोत्सव है। पुस्तकों का वसंतोत्सव है, जो आश्वस्त करता है कि मुद्रित शब्दों की शक्ति, सहकार और सौंदर्य अब भी बरकरार है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जीएम सरसों की पैरोकारी के अबूझ सवाल

राजेन्द्र चौधरी

अक्तूबर, 2022 में जीएम सरसों की सीमित उद्देश्यों के लिए खुले खेतों में खेती करने की अनुमति दी गई थी। देशभर में इस निर्णय पर बहस खड़ी हो गई, जिसके चलते कुछ समय पहले कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक ने एक स्पष्टीकरण जारी किया। प्रभावी रूप में यह स्पष्टीकरण कम से कम चार महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करता है।

स्पष्टीकरण में कहा गया है कि 'भारत सरकार ने निर्यात बाजार को ध्यान में रखते हुए बासमती पर कोई ट्रांसजेनिक विकास कार्य नहीं करने का निर्णय पहले ही ले लिया है।' यह स्वीकारोक्ति है कि दुनिया के अधिकांश देश जीएम फसलों का उपभोग नहीं करना चाहते। इस लिए भारत सरकार बासमती के निर्यात को बनाए रखने के लिए जीएम बासमती नहीं पैदा करना चाहती फिर जीएम धान एवं जीएम सरसों क्यों? जीएम सरसों की अनुमति दी जा चुकी है और हाल में जारी उपरोक्त स्पष्टीकरण के अनुसार जीएम धान पर काम जारी है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जो तकनीक निर्यात के लिए उपयुक्त नहीं, उसी तकनीक से उत्पन्न खाद्य पदार्थ देशवासियों को खाने के लिए क्यों विवश किया जा रहा है?

स्पष्टीकरण में यह दावा भी किया गया है कि जीएम सरसों ने परीक्षणों में 28 प्रतिशत ज्यादा पैदावार दी है। परन्तु इसके साथ ही यह आश्वासन भी दिया गया है कि 'वर्तमान में विकसित संकरों और किस्मों के खिलाफ इसके प्रदर्शन का परीक्षण करने पर अगर डीएमएच 11 काफी बेहतर पाया जाता है, तो ही इसे व्यावसायिक खेती के लिए जारी किया जाएगा।' यानी स्पष्ट है कि जिस जीएम सरसों के बीज को खुले खेतों में उगाने की अनुमति दी गई है, उसकी पैदावार बढ़ाने की क्षमता पर संशय है एवं अभी तुलनात्मक परीक्षण किये जाने हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि इसे खुले वातावरण में जारी करने की अनुमति ही क्यों दी गई है? क्यों नहीं ये परीक्षण नियंत्रित वातावरण में किये जा सकते, जैसे कि पहले किये गए थे जिनमें 28 प्रतिशत बढ़ोतरी का दावा किया गया है?

सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि 'एहतियाती सिद्धांत के रूप में, जीईएसी ने विकासकर्ताओं को रिलीज के पहले दो वर्षों के दौरान मधुमक्खी और परागणकों पर जीएम सरसों के प्रभाव पर डेटा उत्पन्न करने का निर्देश दिया है।' लेकिन वैश्विक स्तर पर एहतियाती सिद्धांत का मानक अर्थ यह है कि सुरक्षित साबित होने के बाद ही प्रयोग परन्तु यहां अनुमति देने के बाद प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा। ऐसे में दुष्प्रभाव सामने आने पर क्या होगा? दशकों पहले का उदाहरण ही लें तो अमेरिकी गेहूं के साथ आये खरपतवार 'कांग्रेस घास' का कोई उपाय निकला है क्या? जीएम बीजों के साथ सबसे बड़ा खतरा यही है कि खुले वातावरण में जाने के बाद इन पर कोई नियंत्रण नहीं रहता। बीज की बिक्री रोकी जा सकती है, परन्तु खुले वातावरण में जाने के बाद बीज का प्रजनन, उगना नहीं रोका जा सकता। एक बार खुले खेत में जाने के बाद, पहली बात तो यह कि इस पर किसी का नियंत्रण नहीं होता। दूसरे, यह गैर-जीएम बीजों को भी हमेशा तक और हमेशा के लिए प्रदूषित कर सकता है। किसी भी फसल के जीएम बीजों के खुली हवा में जाने के बाद गैर जीएम बीजों का शुद्ध बने रहना लगभग असंभव है।

सचिव की ओर से दिये स्पष्टीकरण में यह स्वीकार करने के बाद कि इस बीज में ऐसा जीन डाला गया है जिस पर खरपतवारनाशी या शाकनाशी का प्रयोग किया जा सकता है, यह कह कर पल्ला झाड़ लिया गया है कि 'केवल संकर बीज उत्पादन कार्यक्रम में शाकनाशी का उपयोग किया जाना चाहिए न कि संकर की व्यावसायिक खेती में, क्योंकि आवेदक द्वारा प्रपत्रों में इस विशेषता का दावा नहीं किया गया है।' ऐसे में यह जानते हुए भी कि इस पर खरपतवारनाशी का प्रयोग किया जा सकता है, इसलिए इस तथ्य को नज़रअंदाज़ किया गया है क्योंकि आवेदक ने इसके खरपतवारनाशी सहनशील होने का दावा नहीं किया है। लेकिन अनुमति पत्र में तो स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिना अनुमति के खेत में खरपतवारनाशी सहनशील इस फ़सल पर खरपतवारनाशी का प्रयोग करने पर कानूनी करवाई होगी!

यह दावा करने के साथ कि जारी किये गए जीएम बीज आवश्यक एवं पर्याप्त जांच में पूरी तरह से सुरक्षित पाये गए हैं यह भी चेतावनी दी गई है कि 'अगर अधिकृत या पूर्व कर्मचारियों द्वारा इस विषय पर प्रकाशित की गई कोई भी राय या लेख नियामक अधिकारियों द्वारा किए गए दस्तावेजों और निर्णयों से अलग है ...सार्वजनिक हित में आवश्यक किसी भी प्रशासनिक प्रक्रिया के अधीन है।' होना तो यह चाहिए था कि अगर सरकार को अपनी जांच पर भरोसा था, तो सारे आंकड़े सार्वजनिक कर के खुली चुनौती देती, परन्तु यहां तो पूर्व कर्मचारियों तक को सरकारी राय से मतभेद सार्वजनिक न करने की चेतावनी दी जा रही है। एक तरह से देखा जाये तो सरकारी स्पष्टीकरण में ही मौजूद तथ्य स्पष्ट तौर पर गवाही देते हैं कि जीएम सरसों सुरक्षित एवं वांछनीय तो नहीं ही कही जा सकती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना से प्रत्यक्ष को मिली नेत्र की रोशनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रत्यक्ष नाम मां ने अपने बेटे का रखा था, ताकि हमेशा उसकी आंखों के सामने रहे। लेकिन जब प्रत्यक्ष थोड़ा बड़ा हुआ, तो पता चला कि वो ठीक से देख नहीं पाता है। प्रत्यक्ष की मां नीलावती राठिया के लिए यह दुख पहाड़ के समान था। परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के चलते इलाज करा पाना भी संभव नहीं हो पा रहा था। समय बीतता रहा और प्रत्यक्ष 3 साल का हो गया। नीलावती ने उम्मीदें छोड़ दी थीं कि अब उनका बेटा कभी देख भी पाएगा।

ऐसे में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना नीलावती के लिए वरदान बन कर आई। यहां से प्रत्यक्ष की मां को पता चला कि उसे मोतियाबिंद है और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा शुरू की गई डॉ.खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना से उसका इलाज भी निःशुल्क हो जाएगा। आखिरकार वो दिन भी आ गया जब प्रत्यक्ष की आंखों का ऑपरेशन हो गया और उसकी आंखों की रोशनी लौट आई।

अब चहक रही है कोमल, पायल और मुस्कुरा रहा है युवान

रायगढ़ के सोनबरसा की रहने वाली कोमल चौहान दूसरी कक्षा में पढ़ती है। बार-बार बीमार रहने से कोमल के घरवाले परेशान रहते थे। कुछ ऐसी ही कहानी चपले गांव की रहने वाली पायल पटेल और राजपुर गांव के युवान कुजूर की भी थी। बीमारी की वजह से बच्चे हंसना-मुस्कुराना भूल गये थे। इन तीनों मासूम बच्चों के परिजनों को समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या करें।

दरअसल पायल, कोमल और युवान को दिल की बीमारी थी, जिसे गांव के डॉक्टर समझ नहीं पा रहे थे। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम स्कूल पहुंचकर जब जांच की तो पता चला कि तीनों बच्चों के दिल में छेद है, जिससे वो बीमार रहते हैं। इसके बाद उन्हें डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना के तहत रायपुर के बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया और तीनों का निःशुल्क इलाज कराया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा शुरू की गई डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना की वजह से ही आज कोमल, पायल और युवान जैसे हजारों मासूमों की जान बच रही है। उन्हें नया जीवन मिल रहा है।

राज्य के नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना एवं मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना संचालित की जा रही है। राज्य में डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत लगभग 64 लाख से अधिक बीपीएल राशन कार्डधारी परिवारों को प्रतिवर्ष रूपए 5 लाख तक तथा शेष सभी प्रकार के अन्य राशन कार्डधारी परिवारों को रू. 50 हजार तक के नगद-रहित उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। चार सालों में 3643.09 करोड़ की राशि के 36.43 लाख से अधिक क्लेम किए जा चुके हैं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार में दें प्राथमिकता- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में रोजगार संवर्धन को लेकर विभागीय अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। जिसमें उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा करने वाले स्किल और ट्रेड की युवाओं को ट्रेनिंग देने की आवश्यकता है। ट्रेनिंग से लोग स्किल सीखेंगे जिससे उनमें स्थानीय उद्योग और बाजार की आवश्यकता अनुरूप काम करने की कुशलता आएगी।

यह उन्हें रोजगार पाने में मदद करेगा साथ हीं हुनरमंद होने पर वे खुद का काम भी शुरू कर सकेंगे। सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा भी बैठक में उपस्थित रहे। कलेक्टर सिन्हा ने आज अप्रेंटीशिप रजिस्ट्रेशन की समीक्षा करते हुए कहा कि यह देखने को मिल रहा है कि जिले में लगभग 300 छोटे बड़े उद्योग चल रहे हैं। लेकिन उनमें से कुछ ने ही अप्रेंटीशिप ट्रेनिंग में रजिस्ट्रेशन करवाया है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी उद्योग रजिस्ट्रेशन करवाएं तथा छात्रों की ट्रेनिंग शुरू करें। यह उनके कैरियर बिल्डिंग के लिए बेहद अहम है। उन्होंने इसमें स्थानीय छात्रों को प्राथमिकता देने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि विभागीय कार्यक्रमों से भी हितग्राहियों को ट्रेनिंग देकर उनकी स्किल बिल्डिंग की जाय।

कलेक्टर सिन्हा ने इसके साथ ही आजीविका संवर्धन से जुड़े अन्य विभागों के काम की भी समीक्षा की। कलेक्टर सिन्हा ने रीपा गौठनों में खादी ग्रामोद्योग, हस्तशिल्प, हथकरघा व रेशम के कपड़े तैयार करने जैसे कार्यों को भी बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि बेल मेटल आर्ट और रेशम व कोसा के वस्त्र जिले की पहचान है। इसकी ट्रेनिंग के साथ लोगों को व्यवस्थित मार्केटिंग और सप्लाई चेन से जोडने पर जोर दिया।

यूथ सेंटर को कौशल उन्नयन से जोड़ें

कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि सभी विकासखंड में यूथ सेंटर चलाए जा रहे हैं। जो युवा प्रतिभागियों के लिए कैरियर बिल्डिंग प्लेटफार्म के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसे स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम से जोड़कर युवाओं कैरियर के अनेक विकल्प उपलब्ध कराए जा सकते हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को उद्योग प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस दिशा में काम करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने रोजगार अधिकारी को तमनार, घरघोड़ा में रोजगार मेले का आयोजन करने के लिए भी निर्देशित किया।

खास खबर

मुख्यालय के कलेक्ट्रेट रोड में खुलेगा गढ़कलेवा मिलेट्स कैफे

नारायणपुर। जिला कार्यालय जाने वाले मार्ग पर जिला प्रशासन द्वारा बनाये जा रहे गढ़कलेवा स्वल्पाहार भवन का निर्माण लगभग पूर्णता की ओर हैं। ज्ञातव्य है कि उक्त गढ़कलेवा में आम खान पान के अतिरिक्त मिलेट्स से बने व्यंजन जैसे रागी के अलावा अन्य मोटे अनाजो से निर्मित दोसा, लड्डू, पकौड़ा, ईडली, कुकीज आदि खाद्य सामग्री भी उपलब्ध रहेगी और इसे कृशि विज्ञान केन्द्र के स्व सहायता महिला समूहों द्वारा संचालित किया जाएगा। इस क्रम में आज कलेक्टर अजीत वसन्त द्वारा गढ़कलेवा निर्माण स्थल का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर उन्होने निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में बनाने के अलावा दरवाजे, टाईल्स, रोशनदान, पानी निकासी, प्रसाधन कक्ष एवं ग्लोसाइन बोर्ड के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत देवेश कुमार ध्रुव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

जनजातीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

जगदलपुर। अनामया कार्यक्रम (ट्राइबल हेल्थ कोलैबोरेटिव) अंतर्गत पिरामल स्वास्थ्य द्वारा आदिवासी बहुल क्षेत्र जिला बस्तर में 15 से 29 वर्ष के युवाओं और छात्रों के बीच जनजातीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार 24 फरवरी को किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं और छात्रों के साथ मानसिक स्वास्थ्य, पोषण एवं किशोर प्रजनन लैंगिक स्वास्थ्य, मादक द्रव्यों के सेवन का दुष्प्रभाव, सड़क दुर्घटना, हेलमेट सीट बेल्ट का उपयोग आदि विषयों पर प्रशिक्षण देना है, जिससे समुदाय स्तर पर यही युवा प्रशिक्षित होकर गांव के लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे सहित पिरामल स्वास्थ्य के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लघु वनोपज संग्रहण में छत्तीसगढ़ अव्वल

प्रदेश में हो रही है 65 लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप प्रदेश के वनवासियों के हित को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में वर्तमान में समर्थन मूल्य पर 65 लघु वनोपजों की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार का यह फैसला वनाचंल के वनवासियों तथा आदिवासियों के हित में अहम् साबित हो रहा है। लघु वनोपजों की संख्या में वृद्धि होने से उनकी आय में भी बढ़ोतरी हुई है।

इस तारतम्य में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में देश का 74 प्रतिशत लघु वनोपज संग्रहित होता है, जो देश में अव्वल है। सरकार ने संग्राहकों के हित में लघु वनोपजों की संख्या में 9 गुना वृद्धि करते हुए 7 से बढ़ाकर 65 लघु वनोपजों की खरीदी करने का निर्णय लिया। यही कारण है कि इन चार सालों में संग्राहकों की संख्या में भी 4 गुना से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, वर्ष 2018-19 में संग्राहकों की संख्या 1.5 लाख थी जो आज बढ़कर 6 लाख हो गई है।

इस दौरान लघु वनोपज संग्रहण पारिश्रमिक वर्ष 2019-20 में 23 करोड़ 50 लाख रूपए की राशि का भुगतान संग्रहकों को किया गया। इसी तरह वर्ष 2020-21 में 158 करोड़ 65 लाख रूपए, वर्ष 2021-22 में 116 करोड़ 79 लाख रूपए और वर्ष 2022-23 में (जनवरी 2023 की स्थिति में) 57 करोड़ 50 लाख रूपए की राशि का भुगतान संग्राहकों को किया जा चुका है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ में चार वर्षों में 356 करोड़ 44 लाख रूपए मूल्य का लघु वनोपज क्रय किया गया।

राज्य में वर्तमान में समर्थन मूल्य के अंतर्गत खरीदी की जा रही लघु वनोपजों में संग्रहण दर मालकांगनी बीज (सूखा) 100 रूपए, बायबडिंग 94 रूपए, कालमेघ/भूईनीम (सूखा) ग्रेड-1-35 रूपए, कालमेघ/भूईनीम (सूखा) ग्रेड-2-31.50 रूपए, आंवला (बीज रहित) सूखा 57 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। इसी तरह रंगीनी लाख/छिली लाख (सूखा) 220 रूपए, रीठा फल (सूखा) 14 रूपए, वन जीरा बीज 63 रूपए, सतावर जड़ (सूखा) 107 रूपए, चरौटा बीज ग्रेड-1-16 रूपए, चरौटा बीज ग्रेड-2-14.50 रूपए, शहद 225 रूपए तथा नागरमोथा (सूखा) 30 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। माहुल पत्ता 15 रूपए, हर्रा साबूत (सूखा) ग्रेड-1-15 रूपए, हर्रा साबूत (सूखा) ग्रेड-2-13.50 रूपए, हर्रा कचरिया 25 रूपए, बहेड़ा साबूत (सूखा) ग्रेड-1-17 रूपए, बहेड़ा साबूत (सूखा) ग्रेड-2-15.30 रूपए, बहेड़ा कचरिया 20 रूपए तथा गिलोय (सूखा) ग्रेड-1-40 रूपए, गिलोय (सूखा) ग्रेड-2-36 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।

इसी तरह कुसुमी लाख/छिली लाख (सूखा) 300 रूपए, वन तुलसी बीज 14.50 रूपए, भेलवा 9.75 रूपए, शिकाकाई फल्ली (सूखा) 50 रूपए, इमली आटी (बीज सहित) ग्रेड-1-36 रूपए, इमली आटी (बीज सहित) ग्रेड-2-33 रूपए, इमली फूल (बीज रहित) 69 रूपए, इमली बीज 11 रूपए तथा महुआ फूल (सूखा) 30 रूपए, महुआ बीज 29 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है। झाडू फूल (घास) 50 रूपए, कौंच बीज 21 रूपए, धवई फूल (सूखा) ग्रेड-1-37 रूपए, धवई फूल (सूखा) ग्रेड-2-33.50 रूपए, चिरौंजी गुठली ग्रेड-1-126 रूपए, चिरौंजी गुठली ग्रेड-2-115 रूपए, करंज बीज 24 रूपए, बेलगुदा (सूखा) ग्रेड-1-30 रूपए, बेलगुदा (सूखा) ग्रेड-2-27 रूपए तथा कुल्लू गोंद 125 रूपए प्रति किलोग्राम निर्धारित है।इसी तरह मालकांगनी फल कच्चा (लाल रंग) 17 रूपए, कालमेघ/भुईनीम (कच्चा)- 5.50रूपए, हर्रा कच्चा 6 रूपए, बहेड़ा कच्चा 5 रूपए, गिलोय कच्चा 5.50 रूपए, हर्रा बाल 30 रूपए, महुआ फूल कच्चा (फूड ग्रेड) 10 रूपए, झाडू छिंद (घास) 15 रूपए, कोदो 30 रूपए, कुटकी (काला) 31 रूपए, कुटकी (भूरा) 31 रूपए, रैली कोसा (चौती) दर नग में ग्रेड-1-1.50 रूपए तथा रैली कोसा (चौती) दर नग में ग्रेड-2-1.25 रूपए,रैली कोसा (चौती) दर नग में ग्रेड-2-0.7 रूपए प्रति किलोग्राम की दर पर खरीदी की जाएगी।

अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे भिलाई में टैक्स कलेक्शन के काउंटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम में टैक्स कलेक्शन के काउंटर अब शनिवार एवं रविवार अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे। कार्यालयीन अवधि सोमवार से शुक्रवार के अलावा इन दोनो अवकाश के दिनों में भी भिलाई निगम के मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन के कार्यालय में टैक्स कलेक्शन काउंटर के माध्यम से लिए जाएंगे। अवकाश के दिनों में टैक्स कलेक्शन काउंटर के खुलने से करदाताओं को टैक्स जमा करने में राहत मिलेगी इसके साथ ही ऐसे कर्मचारी जो शासकीय सेवा में कार्यरत है तथा कामकाजी है।

जिन्हें टैक्स जमा करने के लिए समय नहीं मिल पाता है ऐसे लोग भी शनिवार और रविवार को अवकाश के दिन आकर अपना टैक्स जमा कर सकते हैं। इतना ही नहीं टैक्स लेने का समय भी कार्यालय के समय से आधा घंटा पूर्व रखा गया है, यानि की सुबह 9:30 बजे से करदाता अपना टैक्स जमा कर सकेंगे। नगर निगम सुपेला के मुख्य कार्यालय और सभी जोन कार्यालय जिसमें नेहरू नगर, वैशाली नगर, मदर टैरेसा नगर, शिवाजी नगर एवं सेक्टर 6 का जोन कार्यालय है वहां पहुंचकर अपना टैक्स जमा कर सकते हैं। निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर संपत्तिकर की शत-प्रतिशत वसूली के लिए आज बैठक आहूत की गई और अब हर शुक्रवार को बैठक के माध्यम से इसकी रिपोर्टिंग भी की जाएगी। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने बैठक में संपत्तिकर की समीक्षा करते हुए डोर टू डोर वसूली में तेजी लाने के निर्देश एजेंसी को दिए हैं।

संपत्तिकर, शिक्षा उपकर, जलकर, समेकितकर, यूजर चार्ज आदि की समीक्षा की गई। जब से नई एजेंसी साईं पब्लिक स्टेशनर्स ने काम करना शुरू किया है तब से लेकर अभी तक की टैक्स वसूली की जानकारी तथा प्रतिदिन की टैक्स वसूली की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश बैठक में दिए गए। शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगामी 31 मार्च तक का वसूली रोस्टर भी तैयार किया गया है, इसके मुताबिक प्रतिदिन की वसूली के लिए एजेंसी को निर्देशित किया गया।

कांग्रेस महाधिवेशन का बेलगाम कनेक्शन

श्रीकंचनपथ

कांग्रेस का 85वां राष्ट्रीय महाधिवेशन छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में प्रारंभ हो गया है. कांग्रेस के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लकार्जुन खड़गे बेलगाम से आते हैं. बेलगाम अपने आप में एक विलक्षण स्थान है. 99 साल पहले 1924 में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन बेलगाम में हुआ था. बेलगाम अधिवेशन में ही महात्मा गांधी ने कांग्रेस की बागडोर संभाली थी. इस अधिवेशन में मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, लाला लाजपत राय, राजगोपालाचारी, डॉ एनी बेसेंट, सरोजिनी नायडू, देशबंधु चित्तरंजन दास, पं. मदनमोहन मालवीय, सैफुद्दीन किचलु, अबुल कलाम आजाद, राजेन्द्र प्रसाद, वल्लभभाई पटेल जैसे नेता उपस्थित थे. इसी बेलगाम में एक कुआं है जिसे कांग्रेस कुआं नाम दिया गया है. यहां एक स्मारक भी है जिसे 'वीरसौधा' कहा जाता है. बेलगाम से ही लोकमान्य तिलक ने 1916 में फ्होम रूल लीगफ्र आंदोलन की शुरुआत की थी. यह सब आज प्रासंगिक इसलिए है कि आज लगभग सौ साल बाद कांग्रेस के सामने फिर से लगभग वही चुनौतियां हैं. तब देश पर अंग्रेजों का शासन था और आज कांग्रेस लगभग राजनीतिक निर्वासन की स्थिति में है. तब महात्मा गांधी ने अपनी पदयात्रा से देश के गांव गरीबों को जोड़कर एक अहिंसात्मक आंदोलन खड़ा किया था. आज कांग्रेस के सांसद और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पदयात्रा कर भारत को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं. तब महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज की बात कही थी. अब छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार इसे अमली जामा पहना रही है. समानता की गाड़ी मगर, यहीं तक आकर रुक जाती है. तब कांग्रेस के सामने एक स्पष्ट लक्ष्य था, एक ठोस उद्देश्य था. आज कांग्रेस का न तो लक्ष्य स्पष्ट है और न ही उद्देश्य ठोस है. तब देश को एक नारा, एक बैनर के नीचे संगठित करने का काम था. आज सम्पूर्ण विपक्ष को एक ही छतरी के नीचे लाने की कोशिश करनी है. यह कोशिश तब करनी है जब कांग्रेस विपक्ष का नेतृत्व करना चाहती है. नीतीश कुमार और ममता बनर्जी भी ऐन यही करना चाहते हैं. नीतीश जनता दल युनाइटेड का प्रतिनिधित्व करते हैं तो ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस का. इसी तरह छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की एक मजबूत सरकार है. इनके बीच एका स्थापित करने तथा कांग्रेस को इसका मुखिया बनाने की चुनौती के अलावा देश में एक ऐसे मुद्दे की भी सख्त दरकार है जिसे लेकर वे आज देश की सबसे बड़ी सियासी पार्टी भाजपा का मुकाबला कर सकें. फिलहाल ऐसा कोई मुद्दा दिखाई नहीं देता. भाजपा बहुसंख्यक की राजनीति करती है. हिन्दी पट्टी में जहां वह हिन्दुत्व समर्थक संगठनों का नेतृत्व करती दिखाई देती है तो वहीं मेघालय और नगालैंड जैसे राज्यों में ईसाइयों को साधती दिखाई देती है. इसकी कोई काट विपक्ष या संयुक्त विपक्ष के पास नहीं है. भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व पर चहेते उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का आरोप है पर यह मुद्दा इतना बड़ा भी नहीं है कि उसके सहारे चुनावी नौका को पार लगाया जा सके. कांग्रेस अगर ऐसा कोई मुद्दा तलाश करने में सफल होती है तभी महाधिवेशन को सफल माना जाएगा.

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रोजगार कार्यालय द्वारा प्लेसमेंट कैम्प 28 फरवरी को 59 पदों पर की जाएगी भर्ती

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 28 फरवरी को जिला रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित है।

जिला रोजगार विभाग के उप संचालक ने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से विश्वभारती ऑटोमोबाईल प्राइवेट लिमिटेड एवं बजाज फायनेंस रायपुर द्वारा सेल्स एक्सीक्यूटीव टेलीकॉलर, इंश्योरेंस एक्सीक्यूटीव एच.आर.ई., सर्विस एडवायजर एवं सेल्स ऑफिसर (बजाज फायनेंस डिजिटल पार्टनर) आदि के 59 पदों पर न्यूनतम 12वीं, किसी भी संकाय में स्नातक एव बी.ई. मैकेनिकल उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती 8 से 14 हजार रुपए प्रतिमाह दर पर की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर अपने साथ शैक्षणिक / तकनीकी योग्यता / अनुभव प्रमाण-पत्र तथा बॉयोडाटा के साथ उपस्थित हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क किया जा सकता है।

प्रदेश के छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ सरकार राजस्थान के कोटा में बनाएगी, छात्रावास

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर उन्हें अवगत कराया है कि छत्तीसगढ़ सरकार राजस्थान के कोटा में कोचिंग करने वाले राज्य के छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए छात्रावास बनाना चाहती है। श्री बघेल ने छात्रावास हेतु निःशुल्क भू-खण्ड आबंटित करने का आग्रह श्री गहलोत से किया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पत्र में लिखा है कि राजस्थान के कोटा में विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश के लिए कोचिंग की अच्छी व्यवस्था होने के कारण छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में कोचिंग प्राप्त करने के लिए कोटा, राजस्थान जाते हैं। छत्तीसगढ़ शासन इन छात्र-छात्राओं के लिए कोटा में एक छात्रावास का निर्माण करना चाहता है।

श्री बघेल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री गहलोत से कोटा में किसी ऐसे स्थान पर छत्तीसगढ़ शासन को निःशुल्क लगभग 01 एकड का भूखण्ड आबंटित करने का आग्रह किया है, जहां से कोचिंग संस्थाओं की दूरी अधिक न हो।

वनरक्षक के पद पर भर्ती के लिए आवेदन 5 मार्च तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विभाग के अंतर्गत विभिन्न वनमंडलों में खिलाड़ी कोटे के अंतर्गत वनरक्षक के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती से नियुक्ति राष्ट्रीय स्तर के खेलों में प्रावीण्यता प्राप्त उम्मीदवारों से किया जाना है। इच्छुक उम्मीदवारों से 05 मार्च 2023 शाम 05.00 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में वनमण्डलाधिकारी एवं नोडल अधिकारी रायपुर वनमंडल, रायपुर के पते पर पंजीकृत डाक (पावती सहित), स्पीड पोस्ट से ही भेजे जा सकते हैं। रिक्त पद पर निर्धारित अर्हता तथा अन्य संबंधित जानकारी वन विभाग की वेबसाइट www.cgforest.com से download किया जा सकता है।

गर्मी से पहले जरौंधा में शुरू होगी नलजल योजना

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में निर्मित नल जल योजना को फिर से शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने ग्राम जरौंधा में नल जल योजना का निरीक्षण कर इसे पुनः शुरू करने के लिए तकनीकी पहलुओं का परीक्षण किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस योजना को फिर शुरू करने के लिए विद्युत आपूर्ति को दुरूस्त करने की पहल की जा रही है। साथ ही नल जल योजना को नए जल स्त्रोत के माध्यम से जोड़कर इसका परीक्षण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजनाः 41.57 लाख से ज्यादा लोगों ने निःशुल्क ईलाज एवं स्वास्थ्य जांच सुविधा का लिया फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल से शहरी क्षेत्र के स्लम बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों को निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से अब तक 41 लाख 57 हजार 878 लोगों का इलाज मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल द्वारा स्लम बस्तियों में लोगों के घरों के पास ही पहुंचकर किया गया है। योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस योजना के माध्यम से अब तक 9 लाख 75 हजार 255 मरीजों की पैथालॉजी टेस्ट की जा चुकी है। साथ ही 35 लाख 25 हजार 895 से अधिक मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी दी गई हैं। लाभान्वित मरीजों में 2 लाख 68 हजार 475 से ज्यादा मेहनत-मजदूरी करने वाले लोगों ने भी निःशुल्क ईलाज जांच सुविधा का फायदा उठाया हैं।

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में 55 हजार 222 कैम्प लगाकर लोगों की निःशुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध कराया जाए।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई।

केंद्र ने राज्य की सरकारों को अस्थिर करने जांच एजेंसियों का किया इस्तेमालः खड़गे

रायपुर। कांग्रेस के 85वें राष्ट्रीय महाधिवेशन के दूसरे दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की भाजपा सरकार पर प्रहार किया। खड़गे ने कहा कि आज सेंट्रल एजेंसी की मदद से चुनी हुई सरकारों को गिराया जा रहा है. यहां तक कि कांग्रेस महाधिवेशन को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन छत्तीसगढ़ के चीफ मिनिस्टर और कांग्रेस नेताओं ने डटकर मुकाबला किया। ऐसे लड़ना और मुकाबला करना सीखना होगा, रोने से काम नहीं चलेगा. खरगे ने अडानी-अंबानी का नाम लिए बिना भी केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला.

उन्होंने कहा कि देश में सबसे पहले हमारे कांग्रेस पार्टी के जितने भी पीसीसी डेलीगेट्स हैं, सबका धन्यवाद क्योंकि चुना और देश का नेतृत्व करने का मौका दिया। कांग्रेस जनों का विश्वास मेरे जीवनभर की कमाई है। मैं अपने आखरी सांस तक कांग्रेस के मूल्यों की रक्षा करुंगा. हर बलिदान देकर हर चुनौती का सामना करेंगे। आप में से काफी साथी मेरे जीवन की राह से परिचित हैं। यह कांग्रेस में संभव है कि एक साधारण व्यक्ति जो कभी ब्लॉक कांग्रेस का अध्यक्ष हो, वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित हो गया।

खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार ने चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के लिए ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स का इस्तेमाल किया।

राष्ट्रीय अधिवेशन में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस नेताओं को साधुवाद देते हुए कहा कि अधिवेशन को रोकने बीजेपी सरकार ने छत्तीसगढ़ के नेताओं के घरों में ईडी का छापा मारा. लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने दोगुनी मेहनत से इस अधिवेशन को सफल बनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि देश आज सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। हर देशवासियों को संकल्प लेकर कहना होगा कि सेवा, संघर्ष और बलिदान, सबसे पहले हिंदुस्तान, ये हमारा नारा होगा।

बालक-बालिकाओं के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार करेगी सहयोग

मुख्यमंत्री बघेल ने योजना तैयार करने के दिए निर्देश

रायपुर (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में संचालित बाल देख-रेख संस्थाओं से बाहर जाने वाले बालक-बालिकाओं के पुनर्वास के लिए बड़ा निर्णय लिया है। बाल देख-रेख संस्थाओं से बाहर जाने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु के बालक-बालिकाओं को पुनर्वासित और पुनर्स्थापित करने के लिए राज्य सरकार सहयोग देगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारियों को योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि पुनर्वास योजना में बालक-बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को योजना में रोजगार सुनिश्चितता, आवास सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रावधान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि योजना का लाभ 21 वर्ष तक बालक-बालिकाओं को मिले। ऐसे युवाओं के व्यावसायिक कौशल विकास की भी व्यवस्था हो, जिससे वे स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्यमंत्री बघेल ने देख-रेख संस्थाओं से बाहर जाने वाले बालक-बालिकाओं के लिए योजना में सामुदायिक सामूहिक आवास की व्यवस्था का प्रावधान करने के निर्देश भी दिए हैं।

राज्य के सभी रीपा में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के सहयोग से स्थापित होंगे ग्रामीण तकनीकी केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के गौठानों में स्थापित ग्रामीण औद्योगिक केन्द्रों में काम करने वाले ग्रामीण युवा उद्यमियों के सपनों को एक नया आयाम मिलने वाला है। ग्रामीण औद्योगिक केन्द्रों यानि रीपा में अब भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) मुम्बई के सहयोग से छत्तीसगढ़ के सभी रीपा सेंटरों में ग्रामीण तकनीक का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण देने के लिए ग्रामीण तकनीकी केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। इन केन्द्रों में 72 से ज्यादा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित उद्यम तकनीक का प्रशिक्षण युवाओं को दिया जाएगा। बार्क द्वारा यहां मास्टर ट्रेनर भी तैयार किए जाएंगे। बार्क के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और रीपा में ग्रामीण तकनीकी केन्द्रों की स्थापना में सहयोग दिए जाने की सहमति दी।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य के 300 गौठानों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा 300 करोड़ रूपए की मंजूरी दी गई है। कई रीपा का निर्माण पूरा हो चुका है और वहां विभिन्न ग्रामीण उद्यम संचालित किए जा रहे हैं। ग्रामीण तकनीकी केन्द्रों में युवाओं को विभिन्न रोजगार-व्यवसाय का प्रशिक्षण, फल सब्जियों और लघु वनोपजों के विभिन्न उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह की अध्यक्षता में हुई योजना आयोग की बैठक में रीपा में ग्रामीण तकनीकी केन्द्रों की स्थापना तथा गोबर से विद्युत उत्पादन की आधुनिकतम तकनीक व इकाईयों के विस्तार को लेकर सार्थक चर्चा हुई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में मुख्य ग्रामीण तकनीकी केन्द्र स्थापित किया जाएगा।

बैठक में बार्क के अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण तकनीकी केंद्र में युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जुड़ने का प्रोत्साहन दिया जाएगा। इन केन्द्रों में फल-सब्जी और वनोपजों से विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री बनाने की विधि एवं अन्य विधाओं के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार की संयुक्त सचिव श्रीमती सुषमा ताईषेते ने राज्य में गोबर से विद्युत उत्पादन और खाद्य विकिरण तकनीक के संबंध में राज्य की दूरदृष्टि और राज्य की पहल की सराहना की। उन्होंने राज्य में स्थापित सभी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में ग्रामीण तकनीकी केन्द्र स्थापना में सहयोग का आश्वासन दिया। बार्क के वैज्ञानिकों डॉ. एस. गौतम, डॉ. एस.टी. मेहेत्रे ने खाद्य पदार्थो के लम्बे समय तक सुरक्षित रखने के संबंध में आधुनिक विकरण तकनीक की जानकारी दी।

बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने राज्य में गोबर से बिजली उत्पादन के विषय में बताया कि छत्तीसगढ़, देश में सबसे बड़ा वर्मी कम्पोस्ट उत्पादक राज्य है। उन्होंने राज्य में खाद्य विकिरण तकनीक की संभावनाओं और इससे आजीविका सृजन के बारे में जानकारी दी। श्री शर्मा ने राज्य में महुआ, इमली, टमाटर आदि व लघु वनोपजों तथा अन्य उत्पादों को सुरक्षित रखने एवं उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए बार्क से तकनीक सहयोग की अपेक्षा की।

बैठक में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह ने इस चर्चा को सार्थक बताया। उन्होंने राज्य में वन संसाधनों की बहुलता के बारे में बताते हुए धान और लघु वनोपजों, वनौषधियों की वृहद् उपलब्धता के विषय में ध्यान आकर्षित करते हुए इसके संबंध में बार्क से अपनी तकनीकों को साझा करने कहा। उन्होंने राज्य में 65 लघु वनोपजों को समर्थन मूल्य में भी सरकार द्वारा खरीदी की जानकारी दी और इस संबंध में विभागों के प्रतिनिधियों को बार्क और भारत सरकार से चर्चा कर आगामी कार्यवाही शुरू करने की बात कही।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश चंदेल, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल डेवलपमेंट आथोरिटी के सीईओ सुमित सरकार ने अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य में जैवऊर्जा उत्पादन व खाद्य विकिरण के संबंध में किए जा रहे कार्यों के विषय में अवगत कराया। ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद ने इस संबंध में स्वच्छ भारत मिशन की गोवर्धन योजना के लाभ लेने की जरुरत बताई।

बैठक में परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार की संयुक्त सचिव सुशमा ताईषेते, भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिक डॉ. एस. गौतम, डॉ. एस.टी. मेहेत्रे, राज्य योजना आयोग के सदस्य सचिव अनूप कुमार श्रीवास्तव, ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश चंदेल, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल डेवलपमेंट आथोरिटी के सीईओ सुमित सरकार सहित ग्रामीण औद्योगिक पार्क के नोडल गौरव सिंह, वन विभाग के सचिव प्रेम कुमार, लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक आनंद बाबू एवं अन्य विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

शाहरुख खान की फिल्म जवान के लिए अल्लू अर्जुन से किया गया संपर्क

पठान के साथ 4 साल बाद जबरदस्त वापसी करने वाले शाहरुख इन दिनों वर्ष 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार हो चुकी जवान को पूरा करने में लगे हुए हैं। इस फिल्म का निर्देशन एटली कुमार कर रहे हैं जो दक्षिण में थलापति विजय के साथ कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं। जवान का निर्माण स्वयं शाहरुख खान कर रहे हैं। अपनी फिल्म जवान की घोषणा शाहरुख खान ने धमाकेदार टीजर जारी करके की थी। उसके बाद उन्होंने उसका एक छोटा सा ट्रेलर भी जारी किया था। इन दिनों चेन्नई में जवान को पूरा करने में लगे शाहरुख खान के बारे में यह कहा जा रहा है कि जवान में उनके साथ दक्षिण भारत के सुपर सितारे अल्लू अर्जुन भी विशेष भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार अल्लू अर्जुन को जवान में एक भूमिका की पेशकश की गई है। अगर चीजें योजना के अनुसार होती हैं, तो यह उनके बॉलीवुड डेब्यू को चिह्नित करेगा। जवान एक एक्शनर है, जिसका निर्देशन एटली कर रहे हैं।

अल्लू अर्जुन सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा के साथ एक अखिल भारतीय स्टार के रूप में उभरे। स्टाइलिश स्टार अब जाहिर तौर पर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने की कगार पर है। कहा जा रहा है कि जवान में अल्लू को एक रोल ऑफर किया गया है। हालाँकि, यह एक पूर्ण भाग के बजाय एक कैमियो है। यह किसी भी तरह से उनके बॉलीवुड डेब्यू को चिह्नित करेगा। जवान में शाहरुख, प्रियामणि, नयनतारा और विजय सेतुपति हैं। इस बीच, अल्लू अर्जुन काम के मोर्चे पर एक भयानक दौर से गुजर रहे हैं। पुष्पा द रूल में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें समीक्षाएं मिलीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षाओं से अधिक थी। सुकुमार द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा में स्टाइलिश स्टार को एक बोल्ड लॉरी ड्राइवर की भूमिका में दिखाया गया है, जो सत्ता की तलाश में सिस्टम से भिड़ जाता है। पुष्पा में अल्लू अर्जुन के अतिरिक्त फहद फासिल, रश्मिका मंदाना, सुनील और अनुसूया भारद्वाज शामिल थे। वह इसके सीक्वल पुष्पा द रूल पर काम कर रहे हैं। फ्रेंचाइजी का दूसरा भाग पहले वाले से बड़ा और बेहतर होने की उम्मीद है।

दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे का नहीं बनना चाहिए रीमेकः काजोल

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की पत्नी और एक्ट्रेस काजोल इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई है। शाहरुख खान और काजोल की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को दोबारा से रिलीज किया गया था। ये फिल्म काजोल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली मूवी थी। इन सब के बाद काजोल एक बार फिर अपनी फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को लेकर सुर्खियों में आ गई है। काजोल ने शाहरुख खान की इस फिल्म को लेकर कुछ ऐसा बोल दिया है, जिसको लेकर बी-टाउन में काफी चर्चा में हो रही है। कजोल अपनी सुपरहिट फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को लेकर चर्चा में बनी हुई है। अभी हाल ही में फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को लेकर कजोल को दोबारा बनाने पर अपनी राय रखी है। काजोल ने इंटरव्यू के दौरान कहा, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और कभी खुशी कभी गम जैसी फिल्में दोबारा नहीं बननी चाहिए, क्योंकि इन फिल्मों का एक जादू था, जो बस एक ही बार हो सकता था। अगर इन फिल्मों को दोबारा बनाया जाएगा, तो ये जादू ये जादू गायब हो जाएगा। इसके आगे काजोल ने कहा कि इस फिल्म के रीमेक से फैंस भी खुश नहीं होंगे।

कंगना रनौत की जेल में कैदी बनेगा उमर रियाज? बिग बॉस में मचा चुका है धमाल

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर का रियलिटी शो लॉकअप 2 का अच्छा खासा बज बना हुआ है। बिग बॉस 16 के खत्म होने के बाद अब फैंस को लॉकअप 2 का इंतजार है। इस शो के लिए अबतक कई टीवी सेलेब्स को अप्रोच किया गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो बिग बॉस 16 के कई कंटेस्टेंट्स को भी इस शो के लिए अप्रोच किया गया है। हाल ही में ये खबर आई थी कि रैपर एमीवे बंटाई को लॉकअप सीजन 2 का ऑफर मिला है। हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच अब बिग बॉस 15 के इस हैंडसम कंटेस्टेंट के नाम पर चर्चा तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि कंगना रनौत के शो में उमर रियाज की एंट्री हो सकती है। कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप के पहले सीजन को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस शो के फर्स्ट सीजन को मुनव्वर फारूकी ने जीता था। वहीं अब इसके दूसरे सीजन की चर्चा तेज हो गई है। हर रोज इसे लेकर कोई न कोई नया अपडेट सामने आ रहा है। बिग बॉस की ताजा खबर के पेज पर उमर रियाज के शो में पार्टिसिपेट करने की जानकारी शेयर की गई है। लेकिन अभी तक इस बारे में उमर रियाज ने अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। बता दें कि उमर रियाज इससे पहले बिग बॉस 15 में नजर आए थे। उमर रियाज पेशे से एक सर्जन हैं और इसी के साथ वो मॉडलिंग भी करते हैं।

अंडरवर्ल्ड का कब्जा में चिन्नी प्रकाश के साथ काम कर खुश हैं श्रिया सरन

एक्ट्रेस श्रिया सरन अपनी अपकमिंग फिल्म अंडरवर्ल्ड का कब्जा की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वह एक्साइटेड और नर्वस दोनों हैं, जब उन्हें पता चला कि वह नमामि नमामि के लिए अनुभवी कोरियोग्राफर चिन्नी प्रकाश के साथ काम करेंगी। इस बारे में विस्तार से बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, चिन्नी प्रकाश सर एक लेजेंड हैं।

माधुरी दीक्षित से लेकर सलमान खान तक सभी के पास वह सिग्नेचर मूव है जिसे उन्होंने कोरियोग्राफ किया है। जब मैंने सुना कि चिन्नी सर मुझे नमामि नमामि के लिए कोरियोग्राफ करेंगे, तो मैं बहुत एक्साइटेड और नर्वस थी। लेकिन मैं वास्तव में खुश हूं कि दर्शकों ने गाने में मेरे प्रदर्शन को पसंद किया। ऐसा लगा जैसे मैंने अपने गुरु को गौरवान्वित कर दिया है।

चूंकि एक्ट्रेस एक प्रशिक्षित डांसर है, इसलिए गाने के लिए शूट और रिहर्सल आसान थी- मैं एक ट्रेंड कथक डांसर हूं और 2 घंटे के प्रैक्टिस और 3 दिनों की शूटिंग के बाद हमने गाने पर काम किया और मैंने वास्तव में चिन्नी सर की कोरियोग्राफी का आनंद लिया।

आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स द्वारा श्री सिद्धेश्वरा एंटरप्राइज और अलंकार पांडियन के सहयोग से निर्मित अंडरवर्ल्ड का कब्जा का निर्देशन आर. चंद्रू ने किया है।

फिल्म अंडरवर्ल्ड का कब्जा, जिसमें उपेंद्र, श्रिया सरन और किच्चा सुदीप भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, 17 मार्च, 2023 को पूरे भारत में रिलीज होगी।

पूरे शरीर का वर्कआउट कर सकती हैं ये 5 हुला हूप एक्सरसाइज

अगर आप अपने वर्कआउट सेशन को मजेदार बनाना चाहते हैं तो इसके लिए हुला हूप एक्सरसाइज को अपने रूटीन का हिस्सा बनाएं। हुला हूप एक्सरसाइज फुल बॉडी वर्कआउट है, जो शरीर की शक्ति बढ़ाने, कैलोरी जलाने और तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने में मदद कर सकती हैं। आइए आज हम आपको 5 हुला हूप एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें आप घर पर बहुत आसानी से कर सकते हैं।

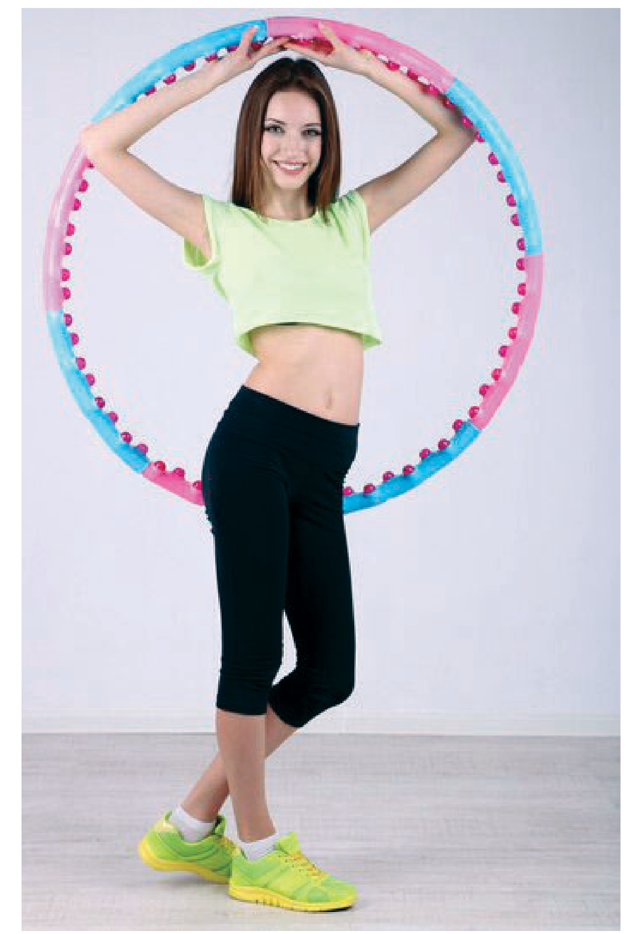

हुला हूपिंग क्या है?

काफी समय से हुला हूपिंग का इस्तेमाल फिटनेस के लिए हो रहा है, लेकिन विदेशों में इसका ज्यादा चलन है। वयस्कों के लिए हुला घेरा लगभग 45 इंच व्यास का होता है और इससे की जाने वाली एक्सरसाइज किकबॉक्सिंग या एरोबिक्स जितनी कैलोरी जलाती हैं।

स्टैंडिंग ट्विस्ट

सबसे पहले अपने हुला हूप को दोनों हाथों से पकड़ें और पैरों को कंधे की चौड़ाई से थोड़ा चौड़ा रखें। अब निचले शरीर को सीधा रखते हुए बाईं ओर मुड़ें और फिर दाईं ओर मुड़ें। ऐसा 5 सेकेंड तक लगातार करें। यह एक्सरसाइज एब्स बनाने में काफी मदद कर सकती है। एब्स केवल शारीरिक ढांचे को आकर्षक बनाने का काम नहीं करते बल्कि मुख्य तौर पर इनसे शारीरिक ताकत भी मिलती है।

रोलिंग रीच

रोलिंग रीच पीठ और पैरों के लिए एक प्रभावी एक्सरसाइज है। इसे करने के लिए अपने सामने हुला हूप पकड़ें और आगे की ओर झुकते हुए पैरों को कंधे की चौड़ाई जितना खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। अब पीठ को सीधा रखते हुए हुला हूप को दाईं ओर घुमाएं। इसे तब तक करें जब तक आप कमरे के एक छोर तक न पहुंच जाएं। इसके बाद हुला हूप को बाईं ओर घुमाएं और अपनी शुरुआती स्थिति में वापस आ जाएं।

ट्री प्रेस

इस एक्सरसाइज में हुला हूप को डंबल की तरह इस्तेमाल करना होता है। ट्री प्रेस के लिए हुला हूप को अपने सिर के पीछे पकड़ें। अब दाएं पैर को उठाकर इसके तलवे को बाएं पैर के अंदरूनी हिस्से पर रखें। इसके बाद हाथों को कोहनियों को मोड़ते हुए हुला हूप को अपने पीछे से नीचे करें और फिर इसे शुरुआती स्थिति में वापस लाएं। पैर बदलने से पहले ऐसा 10 बार करें।

हुला हूप वी-सिट

इसके लिए सबसे पहले एक्सरसाइज मैट पर बैठें और हुला हूप पकड़ें। अब पैरों को हूप के दूसरे सिरे पर रखें और पीछे की ओर झुकें। इस दौरानअपनी पीठ को सीधा रखकर दोनों पैरों को इस तरह ऊपर उठाएं कि वे 60 डिग्री पर हों। इसके बाद हाथों को आगे की ओर फैलाकर रखें, फिर हाथों और पैरों को ऊपर उठाकर उन्हें तब तक नीचे करें जब तक कि आपके पैर न थक जाएं। इसे कुछ मिनट ऐसे ही दोहराएं।

हुला हूप रशियन ट्विस्ट

सबसे पहले एक्सरसाइज मैट पर बैठ जाएं और दोनों हाथों से हुला हूप को पकड़ लें। अब दोनों घुटनों को थोड़ा सा मोड़ें और दोनों पैरों को ऊपर उठाएं। इसके बाद थोड़ा पीछे की ओर झुकें और हुला हूप के साथ दाईं ओर मुड़कर एक क्षण के लिए रुकते हुए अपनी बाईं ओर मुड़ें। एक सेट पूरा करने के लिए इसे 25 बार दोहराएं।

शॉर्ट ड्रेस और खुले बाल मोनालिसा ने क्यूट अदाओं से लूट ली महफिल

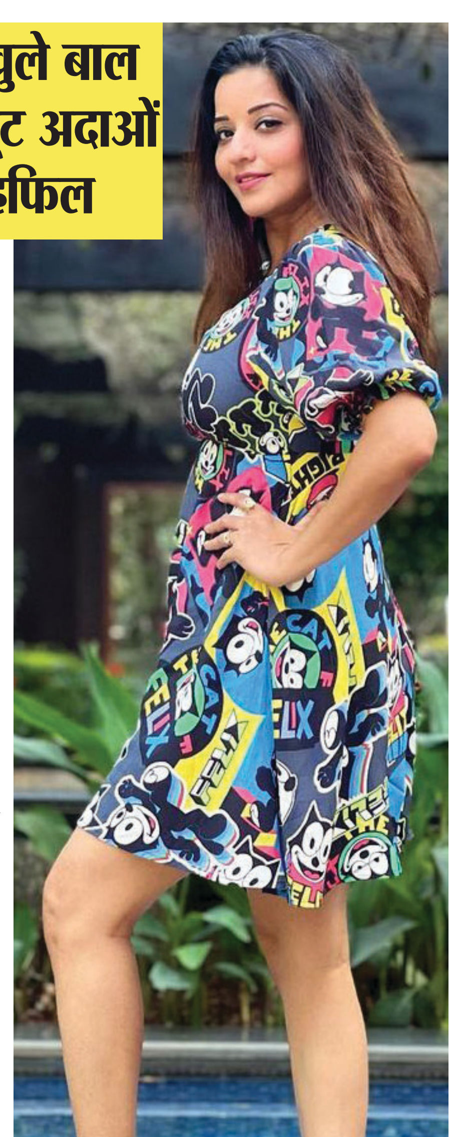

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए-नए फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उनकी लेटेस्ट तस्वीरों में क्यूटनेस भरा अंदाज देख कर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा प्यारी सी डॉल से कम नहीं लग रही हैं। टीवी एक्ट्रेस मोनालिसा ने हाल ही में अपनी दिलकश और क्यूट तस्वीरों से इंटरनेट पर गरदा उड़ा दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का लुक देख कर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। हाल ही में हुए फोटोशूट के दौरान मोनालिसा ने शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद प्यारी लग रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अपनी बोल्डनेस से बॉलीवुड की बड़ी-बड़ी हसीनाओं को टक्कर देती हैं। मोनालिसा पर बिकिनी से लेकर सिंपल आउटफिट तक काफी सूट करता है। हालांकि फैंस भी उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर भी फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए दिलखोलकर अपना प्यार लूटा रहे हैं। उनकी इन तस्वीरों को देख कर यूजर्स उनका कंपेयर बार्बी डॉल से कर रहे हैं और साथ ही क्यूट भी बोल रहे हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं और प्यारी सी स्माइल देते हुए अलग-अलग पोज में फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

फूड पॉइजनिंग से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकते हैं ये 5 घरेलू नुस्खे

लोग जहां भी जाते हैं नए भोजन विकल्पों को आजमाना पसंद करते हैं, लेकिन उनसे फूड पॉइजनिंग का खतरा अधिक रहता है। फूड पाइजनिंग स्टैफिलोकोकस नामक बैक्टीरिया, वायरस या अन्य जीवाणु के कारण हो सकता है। इससे पेट दर्द, उलटी और मतली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो फूड पॉइजनिंग की समस्या को दूर करने में प्रभावी हो सकते हैं।

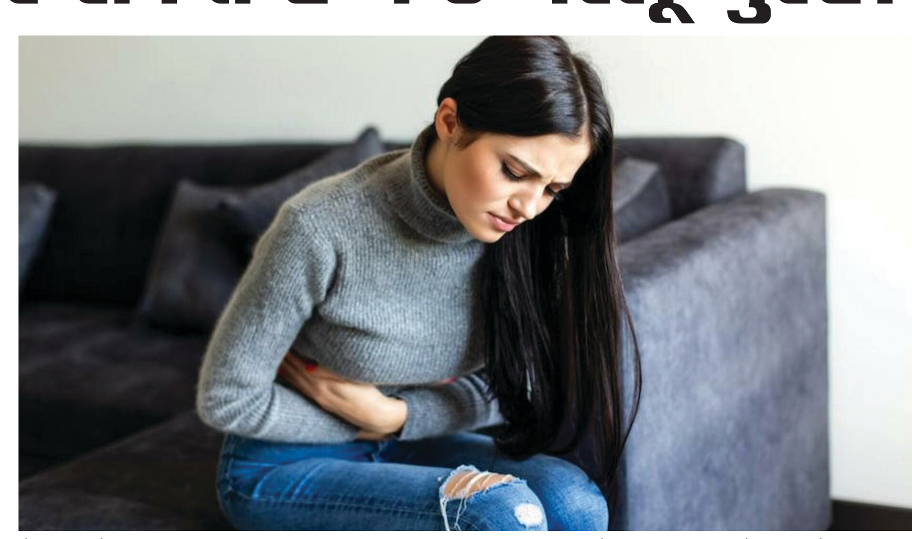

सेब का सिरका है उपयोगी

सेब के सिरके में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो फूड पॉइजनिंग का कारण बनने वाले बैक्टीरिया के खिलाफ बहुत प्रभावी हैं। लाभ के लिए 1-2 बड़ी चम्मच कच्चे और अनफिल्टर्ड सेब के सिरके को एक गिलास गर्म पानी डालकर अच्छे से मिलाएं। समस्या ठीक होने तक इस पेय का रोजाना 2-3 बार सेवन करें। हालांकि, अगर आपको सेब का सिरका सूट नहीं करता है तो आप इस उपाय को न आजमाएं।

अदरक और शहद भी हैं प्रभावी

अदरक और शहद का मिश्रण भी फूड पॉइजनिंग का प्राकृतिक रूप से इलाज करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक कप पानी में 1-2 इंच कटी हुई अदरक डालें और इसे सॉस पैन में उबालें। 5 मिनट के बाद मिश्रण को छाने और इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर सेवन करें। आप चाहें तो अदरक के रस की कुछ बूंदों को शहद में मिलाकर भी सेवन कर सकते हैं।

शहद और तुलसी का मिश्रण है सहायक

तुलसी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुणों खाद्य जनित रोगजनकों को मारने के लिए जाने जाते हैं। यह आपके पेट को स्वस्थ रखने के साथ फूड पॉइजनिंग से जुड़े लक्षणों को भी कम कर सकता है। लाभ के लिए तुलसी के कुछ पत्तों को पीसकर उसका रस निकालें और फिर एक चम्मच तुलसी के रस में एक चम्मच शहद मिलाकर तुरंत सेवन करें। वैकल्पिक रूप से आप एक कप पानी में तुलसी के तेल की एक बूंद डालकर भी पी सकते हैं।

आंवले के जूस का करें सेवन

आंवले के जूस का सेवन फूड पॉइजनिंग के दौरान होने वाले लक्षण जैसे जी मचलाना और उल्टी आना आदि की समस्या से राहत दिला सकता है। इतना ही नहीं इसमें प्रचुर मात्रा में सम्मिलित विटामिन- सी जैसे गुण पेट की समस्याओं को भी दूर करने का काम करते हैं। लाभ के लिए थोड़े-से आंवले के जूस को एक कप पानी में डालकर अच्छे से मिलाएं और उसके बाद इसका सेवन करें।

केले का सेवन भी हो सकता है लाभकारी

केला शरीर में खोए हुए पोटेशियम की भरपाई करके फूड पॉइजनिंग के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। लाभ के ले रोजाना एक केला खाएं। आप चाहें तो केले के पेस्ट को दूध में मिलाकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। ऐसा आप दिन में 2 से 3 बार कर सकते हैं। इसी तरह समस्या के पूरी तरह खत्म होने तक इस उपाय को दोहराते रहना चाहिए।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

रियासत कालीन फागुन मड़ई देवी-देवताओं के संगम के साथ कल से होगा शुरू

दंतेवाड़ा। जिले के दंतेश्वरी मन्दिर में मनाये जाने वाले रियासत कालीन फागुन मड़ई का आयोजन शताब्दियों से चली परंपरानुसार 26 फरवरी से शुरू हो जायेगा। फागुन मड़ई शुक्ल पक्ष सप्तमी तिथि से प्रारंभ होकर 09 दिनों तक रोजाना देवी दंतेश्वरी और मावली माता की पालकी मन्दिर से निकलकर नारायण मंदिर तक जाती है, 09वीं पालकी के बाद बड़ा मेला भरता है। इस दिन देवी दंतेश्वरी के साथ आमंत्रित देवी देवता नगर परिक्रमा करते हैं। जिसमें देवी-देवताओं के छत्र और लंबे बांस पर लगी ध्वजा पताकाएं लेकर ग्रामीण चलते हैं और उनके साथ में फाग गायन करती मंडलियां चलती है। इस आयोजन में बस्तर संभाग के साथ ही ओडिशा से भी आमंत्रित देवी देवता शामिल होते हैं। बीते वर्ष में 823 देवी-देवताओं का आगमन टेम्पल कमेटी के रिकॉर्ड में दर्ज हुआ था। दंतेश्वरी मन्दिर के प्रधान पुजारी हरेंद्र नाथ जिया के मुताबिक बसंत पंचमी पर मन्दिर के सामने अष्टधातू की त्रिशूल स्थापना होती है। इसके साथ ही फागुन मड़ई की तैयारियां शुरू हो जाती है। फागुन मड़ई की शुरुआत फागुन महीने में करते हैं। मेले के दौरान देर रात आखेट का स्वांग भी रचा जाता है। इन्हें लमहा मार, कोडरी मार, कोडरी मार, चीतर मार, गंवर मार के नाम से जानते हैं। इन्हें देखने ग्रामीण दूर-दराज से यहां पहुंचते हैं। मेले में होलिका दहन व रंग-भंग का आयोजन भी अपने आप में विशिष्टता लिया हुआ है। इस होलिका दहन में लकड़ियां नहीं, बल्कि ताड़ के पत्तों की होलिका सजाई जाती है। इसके दहन के बाद राख से तिलक कर अगली सुबह रंग-भंग की रस्म पूरी करते हैं।

लाईफ लाइन एक्सप्रेस से लोगों को मिलेगी निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा

सूरजपुर। सुश्री इफ्फत आरा के मार्गदर्शन में जिला सूरजपुर में 229 वां इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन लाईफलाईन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के द्वारा कमलपुर रेलवे स्टेशन जिला सूरजपुर में 25 फरवरी से 17 मार्च तक निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आंख की जांच एवं मोतियाबिंद की सर्जरी, कान की जांच एवं सर्जरी, मुड़े हुए पैर का परीक्षण एवं सर्जरी (14 साल से नीचे), कटे फटे होंठ की जाँच एवं सर्जरी, दांत की जाँच एवं उपचार स्तन एवं ग्रीवा कैंसर जागरूकता एवं परीक्षण किया जाएगा। ओपीडी एवं ऑपरेशन की तिथिवार जानकारी इस प्रकार है आंख की जांच एवं मोतियाबिंद की सर्जरी 25 फरवरी से 02 मार्च एवं ऑपरेशन 26 फरवरी से 03 मार्च तक, कान की जांच एवं कान की सर्जरी 04 मार्च से 08 मार्च एव ऑपरेशन 05 मार्च से 09 मार्च तक, मुड़े हुये पैर का परीक्षण एवं सर्जरी (14 साल से नीचे) 10 मार्च से 12 मार्च एवं ऑपरेशन 11 मार्च से 13 मार्च तक, कटे फटे होंठ की जांच एवं सर्जरी 10 मार्च से 12 मार्च एवं ऑपरेशन 11 मार्च से 13 मार्च तक, दांत की जांच एवं उपचार 12 मार्च से 17 मार्च तक किया जाएग एवं स्तन एवं ग्रीवा कैंसर जागरूकता एवं परीक्षण 25 फरवरी से 02 मार्च तक किया जाएगा। लाईफलाईन एक्सप्रेस में सुविधा लेने हेतु ओपीडी पंजीयन की सुविधा पार्वती नर्सिंग कॉलेज मदनपुर, सिलफिली में की गई है। सर्जरी योग्य मरीजों एवं उनके परिजनों के ठहरने खाने एवं परिवहन की व्यवस्था जिला प्रशासन एवं लाईफलाईन एक्सप्रेस प्रबंधन के द्वारा कराया जायेगा।

कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा 23 अप्रैल को ऑनलाइन मोड में

रायपुर। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में सीधे प्रवेश के लिए चयन परीक्षा का आयोजन 23 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक ऑनलाइन मोड में किया जाएगा। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श विद्यालय सुकमा, कोण्टा और छिंदगढ़ में अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं के प्रवेश चयन परीक्षा में का आयोजन प्रावीण्यता के आधार पर 60-60 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश संबंधी मापदण्ड में विद्यार्थी की आयु 31 मार्च व 1 अप्रैल 2023 की स्थिति में 10-13 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है तथा दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आयु सीमा में अधिकतम वर्ष की छूट होगी, प्रवेश के समय कक्षा 5वीं उत्तीर्ण हो, विद्यार्थी को छग राज्य का मूल निवासी होना तथा छग राज्य द्वारा घोषित जनजातीय वर्ग, समुदाय का सदस्य होना अनिवार्य है। साथ ही विद्यार्थी को किसी अन्य विद्यालय से निष्काषित न किया गया हो। इस चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए 20 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा 27 मार्च तक ऑनलाइन फार्म में संशोधन की कार्यवाही कर सकते हैं। ऑनलाइन व पंजीकृत डाक से प्रवेश पत्र जारी करने के साथ ही विद्यार्थी सीधे वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

रीपा और गोबर से पेंट नवाचार के नये आयाम

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूतीः संभागायुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। बिलासपुर संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने विकासखण्ड कटघोरा के अमरपुर और विकासखण्ड पोड़ी-उपरोड़ा के महोरा गौठान का निरीक्षण किया। संभागायुक्त ने कलेक्टर श्री संजीव झा की मौजूदगी में अमरपुर में गौठान के साथ रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क का निरीक्षण किया। साथ ही महोरा गौठान में गोबर से पेंट निर्माण इकाई का भी अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. अलंग ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर गांवो में विकसित किए जा रहे रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क और गौठानों में गोबर से पेंट निर्माण नवाचार के नये आयाम हैं। इससे ग्रामीणों को गांवो में ही आजीविका मूलक गतिविधियों में संलग्न होने का मौका मिल रहा है। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि गौठानों में महिलाओं द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रकार की आजीविका मूलक गतिविधियों से महिलाएं स्वावलंबी बन रही हैं। गांवो में रीपा बनने से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। जिससे महिलाएं खुश हैं। संभागायुक्त डॉ. अलंग ने अमरपुर गौठान निरीक्षण के दौरान स्वसहायता समूह की महिलाओं से भी बात की। साथ ही महिलाओं द्वारा गौठान में की जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। पूजा स्वसहायता समूह की सदस्य श्रीमती ललिता बिंझवार ने संभागायुक्त डॉ. अलंग को बताया कि गौठान में समूह द्वारा वर्मी कम्पोस्ट निर्माण किया जा रहा है। अभी तक वर्मी कम्पोस्ट बेचकर एक लाख 13 हजार रूपए का मुनाफा अर्जित कर चुके हैं। साथ ही मुर्गी पालन और बकरी पालन का भी काम गौठान में हो रहा है। गौठान में ही कृषि यंत्र सेवा केंद्र का भी संचालन हो रहा है। केंद्र में मौजूद ट्रैक्टर, कल्टीवेटर, रोटावेटर एवं सीड ड्रिल मशीनों को किराये पर देकर एक लाख 48 रूपए की भी आय हो चुकी है। डॉ. अलंग ने गौठान के चारागाह में महिलाओं द्वारा किए जा रहे सब्जी उत्पादन का भी अवलोकन किया। समूह की महिलाओं ने डॉ. अलंग को गौठान में उत्पादित सब्जियां भेंट की। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नूतन कंवर, एसडीएम कटघोरा श्री कौशल प्रसाद तेंदुलकर, जनपद पंचायत कटघोरा के सीईओ श्री विरेंद्र राठौर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

रीपा में महिलाएं आजीविका गतिविधियों में संलग्न, महोरा गौठान में भी महिलाएं बना रही प्राकृतिक पेंट - संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने अमरपुर में रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क में चार-चिरौंजी इकाई, मिक्सचर निर्माण इकाई, आलू चिप्स निर्माण, दोना-पत्तल निर्माण, मिर्च-मसाला निर्माण, चना-मुर्रा निर्माण, मिनी राईस मिल, तेल बॉटलिंग इकाई एवं साबुन निर्माण इकाई का भी अवलोकन किया।

अमरपुर रीपा में स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा इन इकाईयों का संचालन किया जा रहा है। जिससे महिलाओं को गांव में ही आजीविका के साधन प्रदान हो रहे हैं। संभागायुक्त डॉ. अलंग ने महोरा गौठान में नवनिर्मित गोबर पेंट निर्माण इकाई का भी अवलोकन किया। साथ ही गोबर पेंट निर्माण में संलग्न धन लक्ष्मी और हरे कृष्णा स्वसहायता समूह की महिलाओं से बात की। उन्होंने गोबर से पेंट बनाने की विभिन्न प्रक्रियाओं की भी जानकारी ली। संभागायुक्त ने गौठान में गोबर से निर्मित पेंट को दीवार में पुताई करके भी देखा। गोबर से निर्मित पेंट प्राकृतिक होने के साथ-साथ हानिकारक रसायनों से मुक्त है।

कृषि विश्वविद्यालय में नाभिकीय कृषि अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र खोलने का प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की संयुक्त सचिव (अनुसंधान एवं विकास) श्रीमती सुषमा तायशेते ने आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के नॉलेज सेन्टर में कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, मुख्यमंत्री के कृषि सलाहकार प्रदीप शर्मा तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के साथ आयोजित बैठक में छत्तीसगढ़ में कृषि में नाभिकीय ऊर्जा के उपयोग तथा अनुसंधान की संभावनाओं के संबंध में विचार-विमर्श किया।

उन्होंने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा भाभा अटॉमिक रिसर्च सेन्टर, मुंबई के साथ किये गये अनुबंध के तहत किये गये अनुसंधान कार्यों एवं उपलब्ध्यिं की समीक्षा भी की। कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने छत्तीसगढ़ में कैंसर रोगियों की जांच के लिए आवश्यक पेट स्कैन यूनिट में उपयोगी पदार्थ सायक्लोट्रॉन यूनिट की रायपुर में स्थापना किये जाने की मांग की। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय परिसर में नाभिकीय कृषि अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना किये जाने की मांग की। श्रीमती तायशेते ने इन दोनों ही प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त करते हुए भारत सरकार की ओर से जल्द ही कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया।

भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती सुषमा तायशेते ने आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में भाभा परमाणु ऊर्जा अनुसंधान संस्थान तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के मध्य संपादित अनुबंध के तहत किये जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने इस परियोजना के तहत विकसित की गई धान, गेहूँ तथा अन्य फसलों की नवीन उन्नत एवं म्यूटेन्ट किस्मों का अवलोकन किया। विष्णुभोग म्यूटेन्ट तथा बादशाह भोग म्यूटेन्ट सहित विभिन्न फसलों की 16 म्यूटेन्ट किस्में विकसित की गई हैं।

अंजोरा में हो रही है रंगीन फूलगोभी एवं ब्रोकली की खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र अंजोरा में पोषण वाटिका में रंगीन फूलगोभी एवं ब्रोकली की खेती की जा रही है। किसानों के द्वारा राज्य शासन की योजनाओं के अंतर्गत नई-नई तकनीकों का प्रयोग कर रंग-बिरंगी गोभी का उत्पादन किया जा रहा है। रंगीन पीली और गुलाबी रंग की जैववर्धित किस्म की फूलगोभी एवं ब्रोकली की खेती कर जिले के कृषकों के लिए नवाचार प्रस्तुत किया है, जो प्राकृतिक खेती से तैयार की गई है।

सामान्यतः सफेद रंग की फूलगोभी का उत्पादन किया जाता है। अब रंगीन फूलगोभी एवं ब्रोकली का उत्पादन किया जा रहा है, जो की विटामिन से परिपूर्ण होता है। यह जिले के जलवायु के अनुकुल प्राप्त होता है। इसकी खेती के लिये 15 से 25 डिग्री तक का तापमान होना चाहिए।

रंगीन फूलगोभी को सफेद गोभी की खेती की तरह ही रोपाई से पहले भूमि की जुताई एवं गोबर खाद का उपयोग किया जाता है। यह रंगीन गोभी आम गोभी की तुलना में दोगुना और ब्रोकली से चारगुना दाम प्राप्त कर सकते हैं। पोषक तत्व की दृष्टि से इसमें कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्निशियम, जिंक पाया जाता है। इससे इम्युनिटी बढ़ती है। इसमें विटामिन ''ए'' एवं ''सी'' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ब्रोकली फूलगोभी की प्रजाति है।

दोनो प्रदेशों के मध्य व्यापार, उद्योग और सांस्कृतिक विकास पर हुई चर्चा

महाराष्ट्र के नवनियुक्त रमेश बैस से चैंबर अध्यक्ष अमर पारवानी ने मुलाकात कर बधाई दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने रमेश बैस जी से सौजन्य मुलाकात कर महाराष्ट्र राज्य के महामहिम राज्यपाल के पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकमनाएं दी।

तत्पश्चात छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र दोनों राज्यों के व्यापार-उद्योग के विकास के संबंध में महामहिम राज्यपाल श्री बैस से चर्चा की।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि प्रदेश में उद्योग-व्यापार क्षेत्रों के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार होने से जहां एक ओर उद्योग-व्यापार को रफ्तार मिली है, वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। साथ ही छत्तीसगढ़ में प्राथमिक क्षेत्र (कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन) को आजीविका के साधन बनाने से लेकर आय के बड़े स्त्रोत के रूप में तैयार करने के लिए अनेक अभिनव प्रयास हो रहे हैं।

श्री पारवानी ने आगे बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए एक पारदर्शी प्रणाली विकसित की गई है साथ ही ईज ऑफडूईंग बिजनेस के तहत देश में छत्तीसगढ़ राज्य शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वाले राज्यों की श्रेणी में शामिल है। वर्तमान में दोनों राज्यों के मध्य व्यापार-उद्योग तथा सांस्कृतिक विकास हेतु अपार संभावनायें हैं।

राज्यपाल रमेश बैस ने मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रति अपने स्नेह को उजागर करते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री पारवानी को चेम्बर प्रतिनिधि मंडल सहित महाराष्ट्र राज्य पधारने हेतु आमंत्रित किये तथा महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर राज्य के सांस्कृतिक, कला, पर्यटन, व्यापार एवं उद्योग के संबंध में चर्चा कर दोनों राज्यों के विकास में भागीदार बनने का आग्रह किया।

कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन : सोनिया गांधी व राहुल गांधी पहुंचे रायपुर, सीएम बघेल ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन शुक्रवार को शुरू हो गया है। अधिवेशन के लिए देशभर के दिग्गज कांग्रेस नेताओं का जमावड़ा लगा है। एक दिन पहले तक सोनिया गांधी व राहुल गांधी के इस अधिवेशन में शामिल होने पर संसय था लेकिन शुक्रवार को संसय दूर हो गया। दोपहर बाद 3 बजे सोनिया गांधी व राहुल गांधी पहुंच गए है।

रायपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर चरणदास महंत, ट्ठ्ठ्ष्ट के महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित अन्य नेताओं ने सोनिया गांधी व राहुल गांधी का जोरदार स्वागत किया गया।

सोनिया गांधी व राहुल गांधी के आने पर एयरपोर्ट के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा हो गई। सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एयरपोर्ट के बाहर जमा दिखे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इनके समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान इनके स्वागत के लिए छत्तीसगढ़ के कई नृत्यदलों को भी बुलाया गया। एयरपोर्ट से सीधे राहुल व सोनिया गांधी को अधिवेशन स्थल पर ले जाया गया। बताया जा रहा है कि 25 फरवरी की दोपहर सोनिया गांधी महाधिवेशन को संबोधित करेंगी और राहुल गांधी 26 तारीख को पहले सत्र में महाधिवेशन को संबोधित करेंगे।

नहीं होगा CWC का चुनाव

इधर आज राष्ट्रीय अधिवेशन की शुरुआत स्टेयरिंग कमेटी की बैठक से शुरू हुई। इस बैठक में देशभर के दिग्गज कांग्रेसी नेता शामिल हुए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान कांग्रेस की आगामी चुनावी रणनिति पर चर्चा की गई। वहीं ट्ठ्ठ्ष्ट के चुनाव पर भी चर्चा हुई। स्टेयरिंग कमेटी की बैठक में तय हुआ है कि ट्ठ्ठ्ष्ट का चुनाव नहीं होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सदस्य चुनने का अधिकार सर्वसम्मति से दिया गया है। वहीं कांग्रेस पार्टी के संविधान में संशोधन पर विचार करने पर भी सहमति बनी।

न्यायालय नजूल अधिकारी कोण्डागांव, जिला कोण्डागांव (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.202302201500009/ अ-6/2022-23

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नगर कोण्डागांव के मोहल्ला मरारपारा कोण्डागांव में स्थित भूमि शीट नंबर -01 भूखण्ड क्रमांक 58/2क (शा.न. 58/3क) क्षेत्रफल 2986 वर्गफुट भूमि राजस्व अभिलेख में बुधराम देवांगन पिता श्री पीतू राम देवांगन जाति कोष्टा निवासी मरारपारा कोण्डागांव, तहसील व जिला कोण्डागांव के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि क्षेत्रफल 2986 भूमि को ई-पंजीयन क्रमांक IN-CG37393538746440 पंजीकृत दान पत्र विलेख कमांक 529 दिनांक 31.01.2023 को दान प्राप्त करने के पश्चात् भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत् उक्त भूमि से दानदाता बुधराम देवांगन का नाम विलोपित कर दानग्रहिता का नाम दर्ज करवाने हेतु तलवाना, नक्शा, खसरा एवं पंजीकृत दान पत्र विलेख की छायाप्रति सहित इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा या आपत्ति करना हो तो वे दिनांक 03.03.2023 तक अपना दावा आपत्ति मेरे समक्ष कार्यालयीन समय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16.02.2023 को जारी किया जाता है।

नजूल अधिकारी
जिला कोण्डागांव (छ.ग.)

खास खबर

राजधानी के शुभ होंडा में घुसे चोर 4 लाख कैश किया पार, सीसी टीवी कैमरे में कैद हुए दो चोर

रायपुर। राजधानी रायपुर के होंडा शोरूम शुभ होंडा में चार लाख रूपए की चोरी हो गई। चोरों ने शोरूम में प्रवेश कर कैश काउंटर से चार लाख रुपए पार कर लिए। चोरों की तस्वीरें सीसी टीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई है। पुलिस ने सीसी टीवी फुटेज बरामद कर लिया है जिसमें चोर शोरूम के भीतर चहलकदमी करते दिखाई दे रहे हैं। इस मामले में दीनदयाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 380, 457, 34 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

डीडी नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुभ होण्डा कार शो रूम, रिंग रोड नंबर 01 रायपुरा के केशियर राजेश शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि रोज की तरह 23 फरवरी की शाम 7.30 बजे शो रूम के केस काउण्टर की तिजोरी में लाक लगाकर व केबिन के दरवाजा बंद कर घर चला गया था। इसके बाद शो रूम के सिक्योरिटी गार्ड शो रूम के मेन गेट का ताला लगाकर अपने घर चले जाते है एवं रात में दो अन्य गार्ड शो रूम की रखवाली करते है। रात में दो गार्ड नरेन्द्र बघेल और सूरज पटेल की ड्यूटी लगी थी। रात्रि में लगे दोनों गार्ड शो रूम की रखवाली कर रहे थे। दूसरे दून 24 फरवरी की सुबह शोरूम से कैशियर राजेश शर्मा को फोनकर बताया गया कि केश काउण्टर की तिजोरी खुली है। कैशियर पहुंचा और देखा तो तिजोरी 4 लाख रुपए गायब मिले। इसकी जानकारी बिजनेस हेड हरजिन्दर सिंह सोधी को देने के बाद थाने में रिपोर्ट लिखवाई। शिकायत के बाद पुलिस ने शोरूम में पहुंचकर सीसी टीवी फुटेज चेक किया। जिसमें दो युवक चहल कदमी करते दिखे। एक के चेहरे पर कपड़ा बंधा और दूसरा खुले चेहरे के साथ घूम रहा था। पुलिस ने सीसी टीवी फुटेज बरामद कर लिया है। फिलहाल दोनों चोरों की तलाश की जा रही है।

ट्रक की ठोकर से स्कूटी सवार दंपति घायल, 10 माह के मासूम की गई जान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में गुरुवार एक हादसे में 10 माह के मासूम की मौत हो गई। दरअसल एक शादी समारोह से परिवार लौट रहा था। रास्ते में ट्रक ने इनकी स्कूटर को ठोकर मार दी। हादसे में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं इनके 10 साल के बेटे की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। वहीं घटना की सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार चकरभाठा के विकास नगर निवासी चंदू वर्मा अपने रिश्तेदार की शादी में नयापारा गया हुआ था। साथ में अपनी पत्नी ज्योति व 10 माह के बेटे वंश वर्मा भी थे। उनके साथ एक रिश्तेदार मालिक राम वर्मा भी था। शादी समारोह में शामिल होने के बाद चारों स्कूटी पर सवार होकर विकासनगर लौट रहे थे। इस दौरान अचानकपुर में पेट्रोल पंप के पास उनकी स्कूटी को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चंदू व उसकी पत्नी ज्योति को काफी चोट आई। वहीं मालिक राम वर्मा भी घायल हुए हैं। दुखद पहलू यह रहा कि हादसे में 10 माह के वंश की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बच्चे के शव को मरच्यूरी भेजा। वहीं घायल पति पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्कूल वैन अनियंत्रित होकर पलटी 11 बच्चे घायल

जांजगीर चांपा। जिले में फगुरम के पेट्रोल पंप के पास एक स्कूल वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 11 बच्चे घायल हो गए, वहीं एक बच्चे को रायगढ़ रेफर किया गया है। शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। स्कूल की छुट्टी के बाद विद्यार्थियों को घर छोड़ने निकली सनसाइन स्कूल की वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। बताया जा रहा है की ड्राईवर की लापरवाही से स्कूल वैन पलटा है। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल बच्चों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा परसा पेट्रोल पंप के पास की है। स्कूल की छुट्टी होने के बाद वैन बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी उसी समय यह हादसा हुआ है।

सोशल मीडिया में हथियार दिखाना पड़ा भारी, दुर्ग एसपी ने तमंचे वाली लड़की से लेकर चाकूबाज व हुक्काबाज की लगाई क्लास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा इन दिनों सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ पोस्ट डालने वालों पर खासी मेहरबान है। शुक्रवार को दुर्ग पुलिस ने ऐसे चार लोगों को गिरफ्तार किया जिन्होंने हथियारों के साथ सोशल मीडिया में पोस्ट डाली। खासबात यह है कि इनमें से एक तमंचे वाली लड़की भी शामिल है जिसने देशी कट्टे के साथ इंस्टाग्राम पर पोस्ट अपलोड किया था। वहीं एक शख्स ऐसा था जिसने अपने नाबालिग बच्चे से फायरिंग कराई। इसके अलावा एक युवक हुक्के का कश लेता हुआ और दूसरा धारदार चाकू से एक्शन करता हुआ पोज अपलोड़ किया था। इन सभी को आज दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने मीडिया के सामने पेश किया और इनकी क्लास ली।

सबसे पहले आपको बतातें है तमंचे वाली लड़की के बारे में। एसपी पल्लव की क्लास में लड़की ने जो बताया वह भी कम शॉकिंग नहीं है। लड़की का कहना है कि उसने सिर्फ फोटो खिंचवाई थी। लड़की का कहना था कि यह देशी कट्टा उसके मित्र का है जो रायपुर में रहता है। वह रायपुर अपने दोस्त से मिलने गई थी तो उसने देशी कट्टा देखा तो उसके साथ फोटो खिंचवा ली। लड़की ने यह भी बताया कि वह इंस्टा के लिए रील बनाती है।

दूसरे मामले में तीन दोस्त हैं जिसमें से एक ने चाकू से जीभ को काटने का पोज देते हुए सोशल मीडिया में फोटो डाली और दूसरे ने हुक्का पीते हुए खुद को प्रेजेंट किया। इन युवकों की कहानी भी अलग है। चाकू से जीभ काटने वाले युवक का नाम सन्नी है और वह सुपेला में सब्जी बेचने का काम करता है। उसने बाबा धाम से चाकू खरीदा और दोस्तों के साथ पार्टी में केक काटने के लिए इस्तेमाल करता था। इसी तरह हुक्काबाज युवक ने 1500 रुपए हुक्का खरीदा था और दोस्तों के साथ बर्थडे पार्टी में हुक्का लेकर पहुंचता था। इन दोनों के साथ बर्थ डे बॉय भी पकड़ में आया जिसकी बर्थडे में हुक्का बाजी हुई थी।

नए साल में लाइसेंसी पिस्तौल से की थी फायरिंग

एक मामले में शख्स ने अपने नए साल के दिन अपने नाबालिग बेटे से फायरिंग कराता दिखा। एसपी पल्लव ने जब इनकी क्लास ली तो बोलती बंद हो गई। जिस दिलेरी से अपने बच्चे के हाथ में पिस्तोल थमाकर फायरिंग कराई वह दिलेरी पुलिस के सामने फीकी पड़ गई। खास बात यह है कि शख्स ने लाइसेंसी पिस्तौल ले रखी थी। एसपी पल्लव ने जब फायरिंग का कारण पूछा तो खुशी में हवाई फायर करने की बात कहने लगा। साथ वह यह भी कह रहा था कि गलती हो गई गलती से गोली चल गई। यहां पर भी एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने अपने चिरपरिचित अंदाज में आरोपियों को जमकर लताड़ा।

कोरबा में हाइवा व चावल से भरी ट्रक में भिडंत, जिंदा जल गए दोनों ड्राइवर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बीती रात हाइवा व पीडीएस चावल से भरी ट्रक आपस में भिड़ गए। हादसे के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते दोनों वाहन बीच सड़क पर जलने लगे। हादसे में दोनों वाहनों के ड्राइवर जिंदा जल गए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों वाहनों की भिड़त इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात करीब 12 बजे रिस्दी रोड में हादसा हुआ। बालको से राखड़ लेकर आ रही हाईवा और उरगा की ओर से पीडीएस का चावल लोडकर आ रहे ट्रक के बीच जबरदस्त भिडंत हो गई। भिडंत इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और वाहनों में आग लग गई। दोनों वाहनों के चालकों को बाहर निलकने का भी मौका नहीं मिला और दोनों जिंदा जल गए।

हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस व प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। जब तक फायर ब्रिगेड पहुंचता दोनों ही वाहन काफी ज्यादा जल चुके थे। आग बुझाने में फायर ब्रिगेड को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देर रात तक रेस्क्यू चलता रहा। इसके कारण सड़क पर जाम लग गया था। वाहनों की आग बुझाने के बाद यातायात बहाल किया गया। फिलहाल दोनों वाहन चालकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि दोनों वाहन चालकों की शिनाख्ती का प्रयास किया जा रहा है।

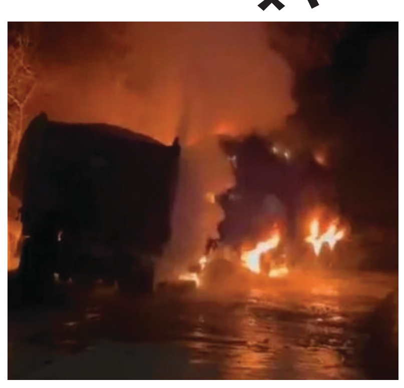

शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार युवक को बोलेरो मारी टक्कर, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। यहां पर एक शादी समारोह से लौट रहे युवक को बुलेरो ने जोरदार ठोकर मार दी। ठोकर मारने के बाद बुलेरो चालक फरार हो गया। इधर हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए युवक को दुर्ग रेफर कर दिया गया। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार सिकोसा निवासी लुकेश चंदरौल (21) ग्राम चौरेल में शादी के कार्यक्रम में गया था। समारोह से लौटते समय ग्राम पैरी के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने लुकेश को ठोकर मार दी। ठक्कर से लुकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बुलेरो चालक फरार हो गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल लुकेश को बालोद जिला अस्पताल ले जाया। यहां शुरुआती इलाज के बाद उसे दुर्ग रेफर कर दिया गया। लुकेश का हाथ व पैरों की हड्डी टूट चुकी थी। सिर पर भी गंभीर चोट आई। परिजन उसे लेकर दुर्ग रवाना हुए लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। लुकेश को लेकर बताया जा रहा है कि वह बीए फाइनल इयर का छात्र था।

एक साल पहले की थी चोरी अब चढ़े पुलिस के हत्थे सूने मकान में मारा था हाथ

दुर्ग। पद्मनाभपुर पुलिस ने एक साल पहले की गई चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में कसारीडीह दुर्ग निवासी अर्जुन उर्फ नेवला व करण देवराज को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के पास से पुलिस सोने चांदी के जेवरात बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 380, 457, 34 के तहत कार्रवाई की है।

पद्मनाभपुर पुलिस ने बताया कि इस मामले में 10 अप्रैल 2022 को पद्मनाभपुर निवासी मनोज साहू शिकायत दर्ज कराई थी। मनोज साहू ने बताया कि 9 अप्रैल 2022 की रात इनके घर के आलमारी में रखे सोने एवं चांदी के जेवरात को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। शिकायत के बाद अपराध दर्ज कर आरोपियों की पता साजी की जा रही थी। इस बीच मुखबिर की सूचना पर अर्जुन उर्फ नेवला व करण देवराज को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में इन दोनों ने साल भर पहले हुई चोरी की बात मानी है। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

24 घंटे में सुलझी हत्या की गुत्थीः पहली प्रेमिका की नाराजगी दूर करने कर दी दूसरी की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ग्राम ढौर के खार में गुरुवार को मिली महिला की लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। महिला की हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका प्रेमी निकला। दरअसल मृतक महिला के प्रेमी की एक और प्रेमिका है। मृतका से मेलजोल के कारण उसने आरोपी से बातचीत बंद कर दी थी। एक प्रेमिका का नाराजगी दूर करने दूसरी प्रेमिका की हत्या कर दी। हत्या के पहले आरोपी ने मृतका से शारीरिक संबंध भी बनाया था। बहरहाल जामुल पुलिस ने 24 घंटे में ही हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें गुरुवार सुबह 9.30 बजे जामुल पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम ढौर के खार में एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना के बाद जामुल पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल का निरीक्षण किया गया, जहां अज्ञात महिला का शव पड़ा था। शव सड़ चुका था और देखकर लग रहा था कि तीन से चार दिन पुराना है। पुलिस ने हत्या की आशंका को लेकर जांच शुरू की। इसके बाद जामुल थाना प्रभारी निरीक्षक याकुब मेमन के नेतृत्व में एक टीम गठित कर अज्ञात महिला के पहचान का प्रयास शुरू किया गया।

इस बीच मृतक महिला का शिनाख्त मधुबाला जांगड़े (43) निवासी घासीदास नगर के रूप में हुई। मृतका के परिजनो एवं उसके पति से पूछताछ करने पर पता चला कि मृतका मधुबाला जागड़े का राजीव नगर निवासी जितेन्द्र वर्मा से प्रेम संबंध था। जितेन्द्र वर्मा मृतका मधुबाला को रोज शाम को उसकी दुकान से घर छोड़ता है। इसी सूचना के आधार पर जितेन्द्र वर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने हत्या की बात मान ली।

दूसरी प्रेमिका थी नाराज, इसलिए कर दी हत्या

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने जो बताया उससे पुलिस भी हैरान रह गई। दरअसल आरोपी जितेन्द्र वर्मा का एक अन्य महिला से भी प्रेम संबंध था। मधुबाला से मिलना जुलना उसे पसंद नहीं आया और उसने आरोपी से बातचीत करना छोड़ दिया था। इस वजह से वह काफी परेशान रहने लगा और मधुबाला को मारने का प्लान बना लिया। इसके बाद आरोपी जितेन्द्र वर्मा 20 फरवरी 2023 की शाम लगभग 7 बजे रोज की तरह मृतिका मधुबाला जागड़े को उसकी दुकान के पास से अपनी महिला मित्र की स्कूटी में बिठाकर घुमाने के बहाने ग्राम ढौर की तरफले गया। यहां के खार में ले जाकर पहले तो मृतका मधुबाला से शारीरिक संबंध बनाया फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद शव को वहीं छोड़कर अपने घर आ गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कूटी को जब्त कर लिया है। इस पूरी कार्रवाई में जामुल थाना प्रभारी एम याकुब मेमन, सहायक उप निरीक्षक कुलेश्वर चंद्राकर, प्रधान आरक्षक विजय कुमार साहू, रविन्द्र बंजारे, आरक्षक संजय मनहरे, महेश बंछोर, अमित सिंह, जी. सामुएल की भूमिका सराहनीय रही।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग,

-:: सार्वजनिक सूचना ::-

क्रमांक/2569/भू-अर्जन/आ.क्र.नि.-2022 — दुर्ग, दिनांक 27/01/2023

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की ग्राम करसा में शमशान घाट पहुंच मार्ग के निर्माण/उन्नयन/विकास योजना में ग्राम करसा, प.ह.नं. 61 तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से क्रय नीति 2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.) के पक्ष में क्रय करने का विचार किया जा रहा है।

क्र	भूमि स्वामी का नाम व पिता का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर संपत्तियों भूमि का विवरण
		खसरा नंबर	रकबा (व.मी.में)	
1	2	3	4	5
1	सरोज कुमार, अशोक कुमार, नंदकुमार पिता मंगलप्रसाद, उमा बाई बेवा मंगलप्रसाद, आदित्य अरविन्द पिता जयशंकर, टीकाबाई बेवा जयशंकर विनोद पिता कोदूराम, जवंतीन बाई बेवा, कोदूराम रोमहर्षण पिता द्वारिकाप्रसाद, रामाधार, रमवतार, मनहरणलाल पिता ज्वालाप्रसाद, तुकाराम पिता भुखनप्रसाद, कमलेश पिता कृष्णप्रसाद, शैलबाई बेवा कृष्णप्रसाद, रामस्नेही पिता भुखनप्रसाद, पुरषोत्तम, लालालाजपराय पिता शारदा प्रसाद	744	383.00	-
		1104	695.00	-
2	अश्वनी पिता तुकाराम	1093	647.00	-
		1069	306.00	-
		1064	1261.00	-
3	कमलेश पिता कृष्णप्रसाद, शैल वि. कृष्णप्रसाद	813	496.00	-
4	रेवाराम पिता बोधीराम	815/2	180.00	-
5	लालाराम पिता बोधीराम	815/1	184.00	-
6	कृष्णा प्रसाद पिता पूरन साहू	87/1	40.00	-
7	गुलाल पिता पूरन साहू	87/2	60.00	-
8	लोकेश, कामेश्वरी पिता श्यामलाल, प्रमिलाबाई पति श्यामलाल, कोवेश ना.बा. योगिता ना.बा. पालक मां सरोज बेवा वडानंद	87/3	60.00	-
	योग-	11	4312.00	-

02- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर, दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है।

(पुष्पेन्द्र कुमार मीणा)
कलेक्टर जिला दुर्ग (छ.ग.)
एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग,

जी-98871/2

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

159 पदों पर प्लेसमेंट कैंम्प का आयोजन 27 को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा 27 फरवरी 2023 को समय प्रात: 10.30 प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नियोजक वन स्आफिंग एंड सौलूशन द्वारा आईटी कांटेंट राईटर के लिए 1, डिजिटल मार्केटिंग एक्सक्यूटिव के लिए 1, रिलेसनशिप मैनेजर के लिए 6, बिजनेश डेव्हलपमेंट मैनेजर (केवल महिला) के लिए 1, टेली सेल्स इक्सक्यूटिव (केवल महिला) के लिए 15, सिनियर एकांउटेंट के लिए 1, मैनेजर के लिए 1 कम्प्युटर ऑपरेटर के लिए 10, ऑटोकार्ड के लिए 2, ग्राफिक्‍स डिजाइनर सिनियर के लिए 1, बिजनेश डेव्हलपमेंट मैनेजर के लिए 1, सोशल मीडिया मैनेजर के लिए 1, सेल्स एवं मार्केटिंग के लिए 2, टेक्निकल एक्सक्यूटिव के लिए 3 कम्प्युटर टिचर के लिए 6, टेलिकॉलर के लिए 10, फिल्ड वर्क के लिए 10, एस. ब्रांच मैनेजर के लिए 1, रिलेसनशिप मैनेजर बीडीएम/बीडीई/बीडीए के लिए 6, बीडीएम, बीडीई, बीडीए के लिए 3, युनिट मैनेजर के लिए 3, पीएचपी डेवलपर के लिए 5, बीडीएम, बीडीइ, बीडीए के लिए 3, युनिट मैनेजर के लिए 3, पीएचपी डेवलपर के लिए 5, म्युचुअल फंड के लिए 3, फिल्ड मार्केटिंग एक्सीक्यूटिव के लिए 5, वेब डेवलपर के लिए 5, सिनियर वेब डेवलपर के लिए 2, प्रोजेक्ट मैनेजर के लिए 1, एसआर प्रोजेक्ट मैनेजर के लिए 1, असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर के लिए 1, डेव्हलपमेंट मैनेजर के लिए 6, विडियो इडिटर के लिए 2, रिसेप्शनिस्ट के लिए 6, एलआईसी मैनेजर के लिए 1, शेष पद रिक्त है, तथा यशोदानंदन चिल्ड्रन हॉस्पिटल, दुर्ग के द्वारा स्टाफनर्स के लिए 25 रिक्त पद है।

शंकराचार्य कॉलेज में एक दिवसीय एनटीईपी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

भिलाई। आज एनटीईपी (राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम) के अंतर्गत संभावित लक्षण वालों को चिन्हांकित कर जांच के लिए प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, जुनवानी, दुर्ग में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें यहाँ के फैकल्टी एवं सीनियर व जूनियर डॉक्टर को डॉ. मनीष, डब्ल्यूएचओ कंसलटेंट, डॉ एल.के. मोहंती, एचओडी, टीबी एंड चेस्ट श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज दुर्ग के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें विशेष रूप से डॉ. अजय बेहरा, डायरेक्टर एम्स रायपुर, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला जिला क्षय अधिकारी दुर्ग, डॉ. प्रकाश वाकोडे, डीन शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज दुर्ग एवं श्री आईपी मिश्रा, चेयरमैन श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज दुर्ग द्वारा प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया।

जिला नियमितिकरण प्राधिकारी की बैठक सम्पन्न

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में 23 फरवरी को जिला नियमितिकरण प्राधिकारी की बैठक हुई। जिसमें समिति के सदस्य सचिव एवं संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग द्वारा 398 प्रकरण प्रस्तुत किये गये। 398 प्रकरणों को नियमितिकरण योग्य पाया गया जिसमें नगर पालिक निगम भिलाई के कुल 206 प्रकरण, नगर पालिक निगम, दुर्ग के कुल 82 प्रकरण, भिलाई चरोदा के कुल 65 प्रकरण, नगर पालिक निगम रिसाली के 30 प्रकरण, नगर पालिका परिषद कुम्हारी के 04 प्रकरण, नगर पंचायत उतई के 01 प्रकरण, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग के 01 एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन के 02 प्रकरण शामिल हैं।

सोनिया व राहुल का बघेल व वोरा ने किया आत्मीय स्वागत

महाधिवेशन को लेकर कांग्रेसजनो में भारी उत्साह : अरूण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 85 वें राष्ट्रीय महाअधिवेशन में शामिल होने शुक्रवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व सांसद राहुल गांधी रायपुर पहुंचे। माना विमानतल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष व वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा व अन्य नेताओं ने आत्मीय स्वागत किया। कांग्रेस का महाधिवेशन शुक्रवार 24 फरवरी से शुरु हो चुका है और 26 फरवरी रविवार तक जारी रहेगा। पार्टी के दोनो राष्ट्रीय नेताओं के स्वागत के लिए जोरदार तैयारी की गई थी। अगवानी के लिए माना एयरपोर्ट में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे। अधिवेशन स्थल पर सोनिया और राहुल गांधी के लिए विशेष इतंजाम किए गए है। इनके लिए अलग

कमरे बनाए गए है तथा मिलने जुलने व आराम करने के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने कहा कि महाधिवेशन को लेकर कांग्रेसजनों में भारी उत्साह है। राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से भाजपा बुरी तरह से हताश व निराश हो चुकी है। राहुल जी ने भारत जोड़ो यात्रा से नफरत को खत्म करने के लिए प्यार का जो संदेश देश की जनता को दिया है इससे पूरे देश में कांग्रेस के लिए अभूत पूर्व माहौल बन गया है उन्होने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए बनाया गया छत्तीसगढ़ मॉडल देश के सभी राज्यो के लिए प्रेरणादायी है। श्री वोरा ने महाधिवेशन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक, अम्बिका सोनी व छग प्रभारी कुमारी शैलेजा से भी मुलाकात की। राष्ट्रीय नेत्री अम्बिका सोनी ने इस अवसर पर दिवंगत नेता पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यपाल रहे मोतीलाल वोरा का स्मरण किया।

एशिया के सबसे बड़े मानव निर्मित जंगल में बनेगा फॉरेस्ट वंडरलैंड

बीएसपी के नंदिनी माइंस क्षेत्र में 3.83 करोड़ की लागत से बनेगा एडवेंचर पार्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई स्टील प्लांट के नंदिनी माईन्स क्षेत्र में पूर्व में किये गये वृक्षारोपणों एवं खनन कार्य के फलस्वरूप वहां छोटे वनक्षेत्र एवं तालाब विकसित हो गए हैं। इस क्षेत्र को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा एशिया के सबसे बड़े मानव निर्मित वन के रूप में घोषित किया गया है। दुर्ग वनमण्डल द्वारा नंदिनी माईन्स क्षेत्र को फॉरेस्ट वंडरलैंड के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इस हेतु 3.83 करोड़ रूपये का प्राक्कलन प्रस्ताव तैयार कर शासन को स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया है।

इस एडवेंचर पार्क में पारासेलिंग, क्वाडबाईकिंग, जिपलाईनिंग, हॉट एयर बैलून, बोटिंग, ट्रेकिंग, कैम्पिंग, स्टार गेजिंग, बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के एडवेंचर एक्टिविटी आदि के साधन उपलब्ध होंगे जहां लोग आकर इन क्रियाकलापों का आनंद ले सकते है। नंदिनी क्षेत्र राजनांदगांव से 50 कि.मी., दुर्ग शहर से 15 कि.मी., रायपुर से 40 कि.मी., कवर्धा से 107 कि.मी. तथा बेमेतरा से 72 कि.मी. की दूरी पर स्थित होने से यहां पर पर्यटक आकर विभिन्न प्रकार के एक्टिविटी का आनंद ले सकेंगे।

यह स्थल कान्हा-किसली उद्यान जाने वाले रास्ते में स्थित है इसलिए वहां जाने वाले पर्यटक रास्ते में नंदिनी फॉरेस्ट वंडरलैंड का भी आनंद ले सकते हैं।

भिलाई की बेटी ने शिल्पी शर्मा ने जीता प्रतिष्ठित उर्मिला अवार्ड, देशभर के प्रतिभागियों को पछाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई की 21 वर्षीय शिल्पी शर्मा ने मुंबई के इनर रिसर्च फाउंडेशन समूह द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित संगीत प्रतियोगिता में पूरे भारत भर के प्रतिभागियों के बीच विजेता बनकर भिलाई का नाम गौरवान्वित किया है। शिल्पी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय से संगीत विशारद का कोर्स कर रही है। वे पूर्व जिला न्यायाधीश मैत्रयी माथुर की नेकी की पाठशाला में शिल्पी संगीत शिक्षिका के रूप में अपनी सेवाएं दे रही है। इस प्रतियोगिता के लिए मैत्रयी माथुर ने ही शिल्पी को नामांकित किया था। शिल्पी की संगीत गुरु डॉ. सोनाली चक्रवर्ती है जो भिलाई में स्लम क्लास 'कच्ची धूप' का संचालन करती है। दुर्ग और भिलाई की दो महिलाओं के श्रमिक बस्तियों के बच्चों के लिए किए जाने वाले कार्यों का यह एक अद्भुत संगम है। गुरुवार को नेकी की पाठशाला में आयोजित एक सादे किंतु रंगारंग समारोह में शिल्पी का स्वागत एवं सत्कार किया गया। इस अवसर पर मैत्रयी माथुर जी ने कहा कि शिल्पी एक हीरा है जिसे जिस की रोशनी पूरी दुनिया में फैलेगी। सारे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। कार्यक्रम में विपाशा हालदार, बिंदु नायक, प्रताप सिंह, मधु तथा नेकी की पाठशाला के बच्चे मौजूद थे।

शिशु संरक्षण माह विटामिन-ए अनुपुरक कार्यकम 31 मार्च तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार जिले में 0 से 05 वर्ष के 191035 बच्चें है। जिसमे 09 माह से 5 वर्ष के 162380. बच्चों को विटामिन 'ए' सिरप एवं 06 माह से 05 वर्ष के 171931 .बच्चों को आयरन सिरप पिलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जे.पी.मेश्राम एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव के मार्ग दर्शन में शिशु संरक्षण माह विटामिन-ए अनुपूरक कार्यक्रम जिले में 28 फरवरी से 31 मार्च तक आयोजित किया जाना है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया शिशु संरक्षण माह अभियान के तहत जिले में 09 माह से 05 वर्ष के बच्चे ब्लाक धमधा से 25150, ब्लाक पाटन से 30861, ब्लॉक निकुम से 21531, शहरी दुर्ग से 25446, शहरी भिलाई से 59392 जिले में कुल 09 माह से 05 वर्ष के162380 बच्चों को विटामिन सिरप पिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है, एवं जिले के ब्लाक धमधा से 06 माह से 05 वर्ष 26629 ब्लाक पाटन 32676 ब्लाक निकुम 22797 शहरी दुर्ग 26943 ,शहरी भिलाई 62886, जिले में कुल 06 माह से 05 वर्ष के 171931 बच्चों को आयरन सिरप पिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है । विटामिन-ए से बच्चों में रतौंधी, आयरन सिरप से एनीमिया, एवं कुपोषण आदि से बचाव किया जा सके । सत्र स्थल पर सभी का वजन लिया जाएगा, जिससे बच्चों के पोषण स्तर की जांच कर कुपोषित बच्चों को उम्र के आधार पर आहार सलाह तथा संपूरक आहार सेवाओं की जानकारी, अति गंभीर कुपोषित बच्चों को (एनआरसी) शिशु पुर्नवास केंदों में उपचार हेतु भर्ती किया जाना शामिल है। साथ ही नियमित टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच एवं अन्य सेवाएं भी दी जावेगी।

सभी भारतीय भाषाओं की जननी संस्कृत: डॉ. शर्मा

विश्व मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर साहित्य सृजन परिषद् की संगोष्ठी आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 'यदि शब्द नाम की ज्योति इस संसार में न आई होती तो पूरी दुनिया में सिर्फ़ अँधेरा होता। शब्द अक्षर ब्रह्म है। इसके अर्थ से संसार की प्रक्रिया संचालित है।

माता,मातृभूमि और मातृभाषा से बड़ा दुनिया में कोई नहीं है। हिन्दी समेत प्राय: सभी भारतीय भाषाओं की जननी और पोषण करनेवाली भाषा संस्कृत है। वह मातृभाषाओं की भी मातृभाषा है।'

उक्ताशय के विचार साहित्य-संस्कृति मनीषी एवं बहुभाषाविद् डा. महेशचन्द्र शर्मा ने विश्व मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर साहित्य सृजन परिषद् भिलाई द्वारा आयोजित संगोष्ठी की मुख्य अतिथि की आसन्दी से साहित्यकारों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। समिति के अध्यक्ष एन.एल. मौर्य ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। द्वितीय सत्र का शुभारंभ बसंतोत्सव एवं होली पर सरस काव्य गोष्ठी में इस्माइल आजाद,शुभेन्दु बागची, रियाज़ ख़ान गौहर,रामबरन कोरी कशिश,माला सिंह,शिवेंद्र केशव दुबे,नवेद रज़ा दुर्गवी,गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश,आलोक नारंग,प्रदीप पांडेय,टी एन कुशवाहा अंजन,डॉ नौशाद अहमद सिद्दीकी,ओमवीर करन,नीलम जायसवाल,शुचि भवि,प्रदीप वर्मा,आशा झा,डॉ संजय दानी,प्रदीप भट्टाचार्य,शाद बिलासपुरी,एन एल मौर्य प्रीतम,सोनिया सोनी और संध्या सिंह ने अपनी रचनाएं सुनाकर सभी का दिल जीत लिया। इस मौके पर नीलम जायसवाल को साहित्य सृजन परिषद भिलाई का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर सभी साहित्यकारों ने उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश ने और आभार प्रदर्शन ओमवीर करन ने किया।

टाउनशिप के घरों व दुकानों पर रूफ टॉप सोलर सिस्टम लगाने हेतु बीएसपी ने प्रारंभ किया प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय परंपरा में प्राचीन काल से सूर्य को हमारी पृथ्वी के जीवनदाता के रूप में पूजा जाता है। औद्योगिक युग में हमें ऊर्जा स्रोत के रूप में सूर्य के प्रकाश का ज्ञान प्राप्त हुआ। विदित हो की भारत सौर ऊर्जा की विपुल क्षमता से संपन्न देश है। भारत के भूमि क्षेत्र पर प्रति वर्ष लगभग 5,000 ट्रिलियन केडब्ल्यूएच ऊर्जा आपतित होती है, जिसका अधिकांश भाग 4-7 केडब्ल्यूएच प्रति वर्ग मीटर प्रति दिन प्राप्त होता है। विपुल क्षमता को देखते हुए भारत में सोलर फोटोवोल्टिक शक्ति का प्रभावी ढंग से दोहन किया जा सकता है।

सोलर, वितरित आधार पर बिजली उत्पन्न करने की क्षमता भी प्रदान करता है और कम लीड समय में तेजी से क्षमता संवर्धन में सक्षम बनाता है। ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से, सभी स्त्रोतों में सोलर सर्वाधिक सुरक्षित है, क्योंकि यह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। सैद्धांतिक रूप से, कुल आपतित सौर ऊर्जा का एक छोटा सा भाग (यदि प्रभावी ढंग से कैप्चर किया जाए) पूरे देश की बिजली आवश्यकताएं पूरी कर सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय ऊर्जा परिदृश्य में सौर ऊर्जा का स्पष्ट प्रभाव दिखाई दे रहा है। बीते वर्षों में भारत में सौर ऊर्जा क्षेत्र, ग्रिड से जुड़ी बिजली उत्पादन क्षमता में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदार बनकर उभरा है। देश भर में शीघ्रातिशीघ्र सोलर प्रौद्योगिकी प्रसार के लिए नीतिगत शर्तें निर्धारित करके सौर ऊर्जा क्षेत्र में भारत को वैश्विक अग्रणी के रूप में प्रतिष्ठित करना मिशन का उद्देश्य है। भारत सरकार ने उपरोक्त लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में देश में सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं जिनमें ग्रिड कनेक्टेड रूफ्टॉप योजना आदि शामिल हैं। भारत सरकार के इस योजना को सफल बनाने तथा अपने पर्यावरणीय प्रयासों को स्थायित्व देने हेतु सेल-भिलाई स्टील प्लांट ने भिलाई टाउनषिप के घरों तथा दुकानों आदि में रूफ्टॉप सोलर सिस्टम लगाने हेतु सक्रिय कदम उठाया है। यह कदम रूफ्टॉप सौर ऊर्जा परियोजना को लागू करने के लिए बीईई से मान्यता प्राप्त ऊर्जा लेखा परीक्षकों द्वारा किए गए तीसरे अनिवार्य ऊर्जा लेखापरीक्षा की सिफारिश के अनुसार है। भारत सरकार द्वारा रूफटॉप पर सोलर पैनल लगाने हेतु आवष्यक सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। इस हेतु एक नई सरलीकृत प्रक्रिया विकसित की गई है जो भारत सरकार के अक्षय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा सीधे लाभार्थी के खाते में सब्सिडी के हस्तांतरण की अनुमति देती है। भारत सरकार के अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के फ़ेज-2 के अंतर्गत बीएसपी के टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को घरेलु रूफ टॉप सिस्टम लगाने की कुल 3 मेगावाट क्षमता प्रदान की गई है।

इसके अनुसार कोई भी घरेलु उपभोक्ता 10 किलोवाट तक का रूफ टाप सिस्टम लगा सकता है। रूफटॉप पर सोलर पैनल लगाने हेतु व्यक्तिगत उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा सूचीबद्ध विक्रेताओं में से किसी भी विक्रेता के माध्यम से काम करवाने के लिए स्वतंत्र होगा। काम पूरा होने के बाद टीईईडी अधिकारी एमएनआरई दिशानिर्देशों के अनुसार स्थापना को प्रमाणित करेंगे और इस प्रकार उपभोक्ता सीधे अपने बैंक खाते में एमएनआरई सब्सिडी प्राप्त करने के पात्र होंगे।

नियमितीकरण नहीं कराने वालों के खिलाफ निगम की लगातार कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

फिर एक दुकान हुई सील

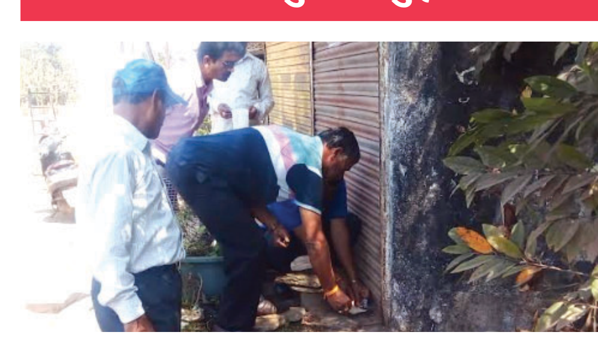

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण नहीं कराने पर एक दुकान को आज फिर सील कर दिया गया। अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण कराने के लिए भिलाई निगम के द्वारा लगातार लोगों से अपील की जा रही है, सर्वे कार्य किया जा रहा है तथा शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। सर्वे उपरांत अनाधिकृत विकास को नियमितीकरण के दायरे में लाने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने कहा जा रहा है।

फिर भी नियमितीकरण नहीं कराने वाले ऐसे अनाधिकृत विकास व निर्माण पर निगम द्वारा सीधे सील बंद करने की कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर सभी जोन क्षेत्रों में सर्वे अभियान चल रहा है, अलग-अलग वार्ड क्षेत्रों में शिविर के आयोजन भी किए जा रहे हैं। परंतु अनाधिकृत विकास व नियमितीकरण के दायरे में आने वाले संचालकों, मालिको के द्वारा नियमितीकरण नहीं कराने पर कार्रवाई की जा रही है। भिलाई निगम के द्वारा लगातार लोगों से अनाधिकृत विकास व निर्माण के तहत भवन अनुज्ञा के विपरीत निर्माण, मिली हुई स्वीकृति के विपरीत निर्माण, आवासीय प्रयोजन में व्यवसायिक निर्माण या बिना स्वीकृति के निर्माण का नियमितीकरण कराने की अपील की जा रही है। बावजूद इसके नियमितीकरण के लिए आवेदन जमा नहीं करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है। भिलाई निगम के मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन कार्यालय में नियमितीकरण के आवेदन जमा किए जा सकते हैं। अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं करने वाले वार्ड क्रमांक 26 रामनगर की एक दुकान को आज सील कर दिया गया। नगर पालिक निगम भिलाई की अपील है कि अनाधिकृत विकास व निर्माण का अति शीघ्र नियमितीकरण करा लें इसके लिए आर्किटेक्ट के माध्यम से निगम में आवेदन जमा करना होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950